सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुभमन गिल ने इंग्लैंड में बल्ले से मचाया कोहराम, राहुल द्रविड़ का पुराना रिकॉर्ड तोड़ डाला -पेज: 7

लगातार तीन फ्लॉप, अब 'मालिक से हैं उम्मीदें बच पाएगा मानुषी का करियर.. -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 96 | मंगलवार 15 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

करणी सेना पर कार्रवाई से मचा बवाल, विपक्ष का सरकार पर तीखा हमला, भाजपा ने बताया कांग्रेस की साजिश

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने इसे बर्बर कार्रवाई करार देते हुए राज्य सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं, जबकि भाजपा ने इस पूरे मामले को कांग्रेस की सामाजिक विद्वेष फैलाने की साजिश बताया है।

भोपाल (एजेंसी): मध्य प्रदेश के हरदा जिले में करणी सेना के पदाधिकारियों और कार्यकताओं पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और गिरफ़्तारी को लेकर मध्यप्रदेश की राजनीति में जबरदस्त उबाल आ गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने इसे बर्बर कार्रवाई करार देते हुए राज्य सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं, जबकि भाजपा ने इस पूरे मामले को कांग्रेस की सामाजिक विद्वेष फैलाने की साजिश बताया है। दिग्विजय सिंह ने उठाए सवाल क्या सब मुख्यमंत्री के निर्देश पर हो रहा है? पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर सरकार और प्रशासन पर सीधा हमला बोला। उन्होंने लिखा कलेक्टर और एसपी की भूमिका असंवेदनशील - जीतू पटवारी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट कर कहा- हरदा की घटना ने साबित कर दिया कि भाजपा सरकार में न्याय और अधिकार की बात करना अपराध है। कलेक्टर और एसपी की भूमिका असंवेदनशील रही है। दोनों को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। उमंग सिंघार बोले भाजपा शासन में न्याय की बात करना अपराध हो गया है नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक उमंग सिंघार ने भी ट्वीट कर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा हरदा में पुलिस द्वारा करणी सेना व राजपूत समाज के साथ किया गया अमानवीय व्यवहार, अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है! क्या भाजपा सरकार में अपने अधिकारों और न्याय की मांग करने वालों से साथ अब अपराधियों की तरह सुलूक किया जाएगा? पटवारी बनाम खंडेलवाल, आरोप-प्रत्यारोप तेज कांग्रेस नेताओं के लगातार बयान आने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने इस पूरे मामले को आपसी लेनदेन से जुड़ा विवाद बताया और कांग्रेस पर सामाजिक विद्वेष फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है और जो भी सामाजिक विद्वेष फैलाने की कोशिश करेगा, उसे कानून का सामना करना पड़ेगा। हेमंत खंडेलवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी डूबती राजनीति को बचाने के लिए समाज को बांटने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा सरकार सख्त भी है और संवेदनशील भी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के ट्वीट के बाद कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पलटवार करते हुए लिखा करणी सेना पर हुए लाठीचार्ज को लेन-देन बताकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अब पूरे राजपूत समाज का अपमान कर रहे हैं! क्या शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना अब भाजपा शासन में गुनाह हो गया है? पटवारी ने साथ ही सरकार से कई तीखे सवाल पूछे, जिनमें 60 से अधिक गिरफ्तारियों, 6 जिलों की पुलिस तैनाती और डीएम-एसपी को अब तक न हटाने की बात शामिल थी। हरदा समेत प्रदेश के कई जिलों में करणी सेना द्वारा प्रदर्शन और चक्का जाम किया गया। प्रशासन ने पुलिस बल की तैनाती के साथ हालात पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन सियासी बयानबाजी से मामला लगातार गरमाता जा रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि यह मामला आगामी दिनों में कितना और तूल पकड़ता है।

किसी भी बाबा के चक्कर में मत पड़ो, छांगुर बाबा पर बोले पंडित धीरेंद्र शास्त्री

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा नाम के एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि वह खुद को एक धार्मिक गुरु बताकर लोगों को गुमराह करता था और अवैध तरीके से धर्म परिवर्तन करवा रहा था। इस मामले पर अब मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम सरकार, पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बागेश्वर धाम के महंत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की प्रतिक्रिया उन्होंने अपनी कथा में कहा, एक छांगुर बाबा नाम का व्यक्ति है, जिसने धर्म की आड़ में कई महिलाओं का शोषण किया और हजारों हिंदुओं को टोपी वाला बना दिया। आजकल भारत में बाबावाद तेजी से बढ़ रहा है। मेरा निवेदन है कि किसी भी गलत व्यक्ति के प्रभाव में न आएं। ऐसे लोगों के साथ चलेंगे तो वे खुद तो बिगड़ेंगे ही, आपको भी भ्रष्ट कर देंगे। भगवान करे सब टूटे पर किसी का विश्वास न टूटे । हम प्रार्थना है कि आप किसी भी ऐसे बाबा के चक्कर में मत पड़ो, जो सही मार्ग से भटका रहा हो। यहां तक कि हमारे चक्कर में भी मत पड़ो। केवल बाला जी (हनुमान जी) के चक्कर में पड़ो। क्या है पूरा मामला? छांगुर बाबा, जो असल में जमालुद्दीन है, पर आरोप है कि उसने अब तक करीब 3000 हिंदू लोगों का इस्लाम में जबरन धर्मांतरण करवाया।

बिहार चुनाव से पहले मायावती का तंज: नीतीश की घोषणाएं केवल वोट बटोरने का हथकंडा

बिहार (एजेंसी): बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नीत सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की घोषणाओं को सोमवार को जुमलेबाजी और चुनावी छलावा करार दिया है। बसपा प्रमुख ने निर्वाचन आयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की भी मांग की है। बिहार विधानसभा चुनाव निकट भविष्य में होना है। मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा, बिहार में कानून-व्यवस्था की बदहाल स्थिति की राष्ट्रीय चचाओं के बीच, संभवतः लोगों का ध्यान बांटने के लिए राज्य में राजग गठबंधन की सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा घोषणाएं की जा रही हैं। बसपा प्रमुख ने कहा, चुनाव बाद सरकार बनने पर नीतीश कुमार द्वारा अगले पांच साल में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराने की घोषणा वास्तव में लोगों को हकीकत से दूर, उनके अनुभवों के आधार पर, अच्छे दिन जैसी जुमलेबाजी व चुनावी छलावा अधिक लगते हैं। उन्होंने कहा, वैसे तो विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के चुनावी वादे, दावे, घोषणाओं व छलावों के साथ-साथ कानून-व्यवस्था व कार्यकलापों आदि को लेकर इनके चाल, चरित्र व चेहरे आदि को जनता भलीभांति जानती है, फिर भी अपनी छल व छलावा की राजनीति की आदत से मजबूर ये विरोधी पार्टियां चुनाव से पूर्व इस प्रकार के अनेकों लोक लुभावने वादे करने में जरा भी नहीं डरती, न घबराती हैं। मायावती ने कहा, बिहार की वर्तमान गठबंधन सरकार का नौकरी व रोजगार का वादा इनके अन्य वादों से ज्यादा मेल खाता है, जो जनता वास्तव में अब तक के अनुभव के आधार पर जानती भी है। उन्होंने कहा, निश्चिय ही बिहार की जनता सोच-समझकर गरीब व सर्वजन हितैषी सरकार चुनेगी। बसपा प्रमुख ने चुनाव में गड़बड़ी की ओर संकेत करते हुए कहा, बशर्ते कि चुनाव बाहुबल, धनबल तथा सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से मुक्त पूर्णतः स्वतंत्र व निष्पक्ष हो तथा सभी गरीबों, मजदूरों एवं अन्य मेहनतकश लोगों को वोट करने का सही से मौका मिले। उन्होंने उम्मीद जताई, निर्वाचन आयोग इसका पूरा ध्यान जरूर रखेगा।

नितिन गडकरी ने दूसरे सबसे लंबे केबल ब्रिज का किया उद्घाटन, सीएम सिद्दरमैया बोले- मुझे नहीं मिला निमंत्रण

कर्नाटक (एजेंसी): केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आज कर्नाटक में सिंगडूर ब्रिज का उद्घाटन किया है। यह देश का दूसरा सबसे लंबा केबल आधारित ब्रिज है। सिंगडूर ब्रिज के इस उद्घाटन समारोह में कई वरिष्ठ बीजेपी नेताओं ने हिस्सा लिया। मगर, आश्चर्य की बात यह थी कि कर्नाटक कैबिनेट का कोई भी मंत्री इस कार्यक्रम में नहीं पहुंचा। सागर तालुक में शरवती बैकवाटर पर बना सिंगडूर ब्रिज अंबारागोडलु और कला सावल्ली को आपस में जोड़ता है। यह पुल 472 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ है। क्यों खास है सिंगडूर ब्रिज? दरअसल सिंगडूर चौदेश्वरी मंदिर के लिए मशहूर है। ऐसे में सिंगडूर ब्रिज बनने के बाद आसपास के गांवों से सागर जाना आसान हो गया है। अब श्रद्धालु आसानी से इस मंदिर के दर्शन कर सकेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने आज इसका उद्घाटन किया। इस उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री प्राद जोशी और वरिष्ठ बीजेपी नेता बी एस येदियुरप्पा समेत कई लोग मौजूद रहे। कर्नाटक सीएम ने बोला हमला सिंगडूर ब्रिज के उद्घाटन में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया समेत मंत्रिमंडल का कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था। हाल ही में कर्नाटक के सीएम सिद्दरमैया ने नितिन गडकरी से उद्घान समारोह की तारीख आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था। वहीं, अब सिद्दरमैया ने दावा किया है कि इस उद्घाटन समारोह में उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था। सिद्दरमैया ने बताई न पहुंचने की वजह कर्नाटक सीएम ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, हममें से कोई भी इस कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेगा। हमें निमंत्रण नहीं मिला है। मैंने नितिन गडकरी से फोन पर बात की थी कि कार्यक्रम की तारीख आगे बढ़ा दी जाए। उन्होंने इसपर विचार करने का आश्वासन भी दिया था, लेकिन शायद बीजेपी नेताओं ने उनपर दबाव बनाया और उन्होंने हमें बिना बताए सिंगडूर ब्रिज का उद्घाटन कर दिया। मेरा कार्यक्रम पहले से कहीं और आयोजित किया गया है, इसलिए मैं वहां जा रहा हूं। केंद्रीय मंत्री ने निमंत्रण पत्र साझा किया हालांकि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने साफ किया है कि 11 जुलाई 2025 को ही कर्नाटक के सीएम को ब्रिज उद्घाटन समारोह में आने का निमंत्रण भेजा गया था।

हरियाणा सरकार का प्रजापति समाज के लिए बड़ा ऐलान: दो हजार गांवों में पांच-पांच एकड़ जमीन दी जाएगी

भिवानी (एजेंसी): हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को भिवानी में आयोजित राज्य स्तरीय महाराजा श्रीदक्ष प्रजापति जयंती समारोह में प्रजापति समाज के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रजापति समाज को प्रदेश के 2000 गांवों में पांच-पांच एकड़ पंचायती भूमि उपलब्ध कराएगी। यह जमीन आगामी 15 दिनों के भीतर समाज को सौंपी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भिवानी में प्रजापति समाज के छात्रों के लिए हॉस्टल निर्माण हेतु पांच एकड़ भूमि दी जाएगी। साथ ही रोहतक और फतेहाबाद में भी जल्द जमीन आवंटित की जाएगी। यह कदम राज्य में जनसंख्या के लिहाज से मजबूत उपस्थिति रखने वाले प्रजापति समाज के सामाजिक और शैक्षिक उत्थान में मील का पत्थर साबित हो सकता है। माटी कला बोर्ड के चेयरमैन की जल्द होगी घोषणा मुख्यमंत्री सैनी ने माटी कला बोर्ड को और सक्रिय बनाने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि जल्द ही बोर्ड के चेयरमैन की घोषणा भी की जाएगी। उन्होंने माटी शिल्प को प्रजापति समाज की पहचान बताते हुए कहा कि आज भी इस समाज के बनाए मिट्टी के घड़े का पानी फ्रिज से ठंडा होता है और दीपावली पर इनके बनाए दीयों से परंपरा जीवित रहती है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने भिवानी जिले के लिए 234 करोड़ 38 लाख रुपये की 19 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। यह समारोह भिवानी के भीम स्टेडियम में आयोजित किया गया। शिल्पकारों को ट्रेनिंग और ऋण सहायता सीएम सैनी ने जानकारी दी कि प्रदेश के 30,550 शिल्पकारों को स्किल ट्रेनिंग दी जा चुकी है और प्रजापति समाज को अब तक 50 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी दोहराया कि प्रजापति समाज बीसी-ए वर्ग में शामिल है

सुप्रीम कोर्ट ने मशहूर कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को लगाई फटकार, पीएम मोदी और आरएसएस का विवादित कार्टून बनाने पर उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को प्रधानमंत्री मोदी और फ्रर पर आपत्तिजनक कार्टून बनाने के लिए फटकार लगाई। अदालत ने कार्टून को अपरिपक्व और भड़काऊ बताया। हेमंत के वकील ने कार्टून हटाने और माफी की बात कही लेकिन अदालत ने उनकी उम्र पर सवाल उठाया।

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने इंदौर के एक कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को जोरदार फटकार लगाई है। हेमंत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आपत्तिजनक कार्टून बनाने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अपरिपक्व और भड़काऊ करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सुधांशु धौलिया और जस्टिस अरविंद कुमार ने मामले पर सुनवाई की। दोनों जजों की बेंच ने हेमंत के कार्टून पर नाराजगी जाहिर की है। एडवोकेट वृंदा ने रखा हेमंत का पक्ष सुप्रीम कोर्ट में हेमंत मालवीय का पक्ष रखने वाली एडवोकेट वृंदा ग्रोवर ने दलील दी कि हेमंत ने वो कार्टून डिलीट कर दिया और साथ ही उन्होंने बयान भी दिया कि वो आपत्तिजनक टिप्पणियों का समर्थन नहीं कर रहे थे। वृंदा ने माना कि हेमंत का कार्टून बेकार हो सकता है, जो कई लोगों को पसंद नहीं आया। मगर, इसे अपराध नहीं कहा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछी हेमंत की उम्र वृंदा ने हेमंत मालवीय को अंतरिम सुरक्षा देने की भी मांग की है। वृंदा का कहना है कि पुलिस बार-बार उनका दरवाजा खटखटा रही है। वहीं, जब अदालत ने कार्टूनिस्ट हेमंत की उम्र के बारे में पूछा तो एडवोकेट वृंदा ने बताया कि वो 50 साल के हैं। इस पर जस्टिस सुधांशु ने कहा- मंगलवार को होगी सुनवाई बता दें कि पीएम मोदी और फ्रर पर आपत्तिजनक कार्टून बनाने के बाद हेमंत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिसपर आज सुनवाई चल रही थी। हालांकि, अब अदालत ने मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को तय की है। हाईकोर्ट ने खारिज की थी जमानत इससे पहले हेमंत ने 3 जुलाई को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। हाईकोर्ट का कहना था कि हेमंत ने अभिव्यक्ति की आजादी का गलत इस्तेमाल किया है। उनके कार्टून पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोरोना काल में बनाया था कार्टून हेमंत मालवीय का कहना है कि उन्होंने यह कार्टून कोरोना महामारी के दौरान बनाया था। उस समय पूरे देश में डर का माहौल था। मगर, अब कुछ यूजर्स ने उसे फिर से सोशल मीडिया पर शेयर करना शुरू कर दिया है। हेमंत का पुराना कार्टून शेयर करते हुए यूजर्स केंद्र सरकार पर तंज कस रहे हैं कि सरकार वक्फ और पहलगाम जैसे मुद्दों को छिपाने के लिए जातिगत जनगणना लागू कर रही है।

स्पेस मिशन के हीरो शुभांशु शुक्ला जल्द लौटेंगे धरती पर, साथ लेकर आएंगे ब्रह्मांड का अनमोल खजाना

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन बिताने और कई अहम वैज्ञानिक प्रयोगों को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अब धरती पर लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी): अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन बिताने और कई अहम वैज्ञानिक प्रयोगों को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अब धरती पर लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्वयंसिद्ध-4 मिशन के तहत वह और उनके तीन अन्य साथी अंतरिक्ष यात्री 14 जुलाई को वापसी की यात्रा शुरू करेंगे। नासा के अनुसार उनका पृथ्वी पर सुरक्षित लैंडिंग 15 जुलाई को दोपहर 3:00 बजे (भारतीय समयानुसार) निर्धारित है। स्पेस से लौट रहा 263 किलो का वैज्ञानिक खजाना नासा ने जानकारी दी है कि इस मिशन में शामिल अंतरिक्ष यात्री कई दुर्लभ और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सामग्रियां अंतरिक्ष से लेकर लौट रहे हैं। इनमें 580 पाउंड (करीब 263 किलो) वजनी वैज्ञानिक उपकरण, नासा का स्पेस हार्डवेयर और 60 से अधिक साइंस एक्सपेरिमेंट्स का डेटा शामिल है। ये सभी प्रयोग अंतरिक्ष में किए गए हैं और भविष्य की स्पेस टेक्नोलॉजी व मेडिकल साइंस के लिए बेहद अहम माने जा रहे हैं। स्वयंसिद्ध-4 क्रू के सभी वैज्ञानिक प्रयोग पूरे हो चुके हैं और अब उनकी वापसी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भारतीय समयानुसार 14 जुलाई की शाम 4:35 बजे (स्थानीय समयानुसार सुबह 7:05 बजे) से स्पेस स्टेशन से अनडॉकिंग की प्रक्रिया शुरू होगी। स्वयंसिद्ध-4 टीम और शुभांशु शुक्ला की खास यात्रा इस चार सदस्यीय मिशन दल में शामिल हैं: पैगी व्हिटसन - मिशन कमांडर शुभांशु शुक्ला - पायलट स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की - मिशन विशेषज्ञ टिबोर कापू मिशन विशेषज्ञ शुभांशु शुक्ला के लिए यह अंतरिक्ष यात्रा कई मायनों में खास रही है। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुँचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। इससे पहले 1984 में राकेश शर्मा ने सोवियत रूस के सैल्यूट-7 मिशन के तहत अंतरिक्ष की उड़ान भरी थी। अब शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। अपनी इस ऐतिहासिक यात्रा में शुक्ला अपने साथ भारत की खास मिठास भी ले गए थे - आम रस और गाजर का हलवा। यह उनके लिए घर का स्वाद था जो अंतरिक्ष में भी उनका साथ दे रहा था। 25 जून को लॉन्च हुआ था ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट स्वयंसिद्ध-4 मिशन के तहत ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को 25 जून को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को यह यान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुँचा था। अब यह महत्वपूर्ण मिशन अपने अंतिम चरण में है और दुनिया शुभांशु शुक्ला और उनकी टीम की सुरक्षित वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रही है।

संपादकीय

रिपोर्ट पर रार

अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे का सच सामने आने की उम्मीद के सूत्र प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से और उलझ गए हैं। इसके अनुसार उड़ान एआई-171 के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच उड़ान भरने के तुरंत बाद बंद हो गए थे जिसके कुछ सेकंड बाद लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के दोनों पायलटों की बातचीत के संक्षिप्त से हिस्से ने मामले को उलझा दिया है। रिपोर्ट के अनुसारकॉकपिट वॉयस रिकार्डिंग में एक पायलट को दूसरे से पूछते सुना गया कि कि उसने ईंधन क्यों बंद किया तो जवाब मिला कि उसने ऐसा नहीं किया। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कौन सी आवाज किस पायलट की है। 10 क्रू सदस्यों और 241 यात्रियों सहित इस हादसे में 260 लोग मारे गए थे उन्हें न्याय मिलने का इंतजार अंतिम रिपोर्ट आने तक अधर में लटक गया है। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है) उड़ान भरने के तुरंत बाद 'कटऑफ' स्थिति में चले गए थे। यह नहीं बताया गया कि यह कैसे हुआ या किसने किया। हालांकि पायलटों ने दोनों स्विच चालू कर दिए थे लेकिन विमान को ऊपर उठाने के लिए आवश्यक ऊर्जा जुटाने में सफल नहीं हो सके। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान ने उड़ान भरी उस समय सह-पायलट विमान उड़ा रहा था और कप्तान निगरानी कर रहा था। रिपोर्ट के संकेत पायलटों को संदेह के दायरे में लाते हैं जबकि दोनों पायलट अत्यंत अनुभवी थे। विमानन विशेषज्ञों का भी कहना है कि ये स्विच ऐसी स्थिति में नहीं होते कि असावधानीवश छू जाने से सक्रिय हो जाएं। प्रारंभिक रिपोर्ट विमान के ऑपरेटरों को फिलहाल कार्रवाई से बख्श देती है। विमान के उड़ान भरने के लगभग तुरंत बाद की सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि 'रैम एयर टर्बाइन' (आरएटी) नामक 'बैकअप' ऊर्जा स्रेत सक्रिय हो गया था, जो इंजन में ऊर्जा की कमी का संकेत देता है। सवाल उठता है कि इस ओर वायु यातायात नियंत्रक का ध्यान क्यों नहीं गया वरना पायलट के आपातकालीन संकेत 'मे डे, मे डे,मे डे जारी करने से पहले ही सहायता मिल सकती थी। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल की बात यहां समझदारीपूर्ण लगती है कि प्रारंभिक रिपोर्ट और पायलटों की बातचीत से निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। विमान के रखरखाव में कमी, लापरवाही या साजिश का नतीजा था, यह जानने के लिए अंतिम जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

सूक्ति

इच्छाओं के सामने आते ही सभी प्रतिज्ञाएं ताक पर धरी रह जाती हैं।
- अज्ञात

जो आदमी सच्चा कलाकार है, वह स्वार्थमय जीवन का प्रेमी हो ही नहीं सकता।
- प्रेमचंद

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक।

एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सरकार का ऑपरेशन कालनेमिः ढोंगी नकली पाखंडी साधु संतों में भारी हड़कंप

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में संभवतःभारत ही एक ऐसा देश है जिसकी देवभूमि पर, पग-पग पर आध्यात्मिक स्थल है, लोगों में भरपूर धार्मिक आध्यात्मिक आस्था श्रद्धा है, जो एक अच्छी बात है, अभी चल रही अमरनाथ यात्रा व कावड़ यात्रा में हम सभी यह देख रहे हैं ऐसे अनेंको अवसर प्रतिदिन अनेक राज्यों में आते रहते हैं जहां भक्तों की भीड़भाड़ लगी रहती है व सबसे अच्छी बात यह है कि आध्यात्मिक स्थल, ट्रस्ट, अनेकों सेवा समितियां व संस्थाओं द्वारा भक्तों की सेवा व ध्यान रखा जाता है, ठीक उसी तरह शासन प्रशासन भी भक्तों की सुरक्षा व व्यवस्था में पूर्ण सहयोग करता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सुरक्षा, सेवा, देखभाल कितनी में चाक चौबंद क्यों ना हो, कुछ ना कुछ लीकेजेस होते रहते हैं जिनमें भक्तों को बहुत परेशानी, ठगी, धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ता है, जो उनसे इस आध्यात्मिक परिसर या बाहर में हो सकता है, उसी का संज्ञान लेकर उत्तराखंड सरकार ने ऑपरेशन कालनेमि चलाया है, जो मेरे विचार से बहुत ही शानदार पहल है, मैं इसआर्टिकल के माध्यम से सभी राज्यों के मुख्यमंत्रीयों से निवेदन, अनुरोध करना चाहूंगा कि, कालनेमि, इसका संज्ञान लेकर यह ऑपरेशन तुरंत लागू करें ताकि पूरे भारत में लागू हो जाए क्योंकि इस क्षेत्र में बहुत से देशी विदेशी अपराधिक छवि वाले भी घुसे हुए हैं, जिनकी दुकानदारी जोरों से चल रही है व भक्त ठगी धोखाधड़ी पाखंड का शिकार हो रहे हैं जिनका सटीक उदाहरण है कि, उत्तराखंड सरकार ने यह अभियान चलाकर तेजी से धरपकड़ कर एक ही दिन में 25 से अधिक ऐसे पाखंडी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है जिसमें एक पड़ोसी मुल्क का नागरिक भी शामिल है, इस अभियान की कढ़ाई को देखकर अब नकली बाबाओं में भारी हड़कंप मच गया है, व घरपकड़ के डर से भी अपने स्थान छोड़कर अन्य राज्यों की ओर रुख कर रहे हैं इसीलिए सभी राज्यों ने इसका संज्ञान लेकर इसी तरह का अभियान चलाने की जरूरत है, चूँकि आध्यात्मिक आस्था की प्रतीक भारतीय देवभूमि पर आस्था पूजा श्रद्धा के नाम पर ठगी व नकली बाबाओं पर शिकंजा कसा जा रहा है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सरकार का ऑपरेशन कालनेमि-ढोंगी नकली पाखंडी साधु संतों में भारी हड़कंप- सभी राज्यों ने इसका संज्ञान लेना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम ढोंगी नकली पाखंडी बाबाओं को समझने की करें तो, ढोंगी पाखंडी बाबा को होते हैं जिनके पास, न तो शिक्षा और ना ही किसी मंदिर या मठ का दस्तावेज है, ऐसे ही लोगों को पकड़ने के निर्देश दिए गए हैं, इसी के चलते शुक्रवार को देहरादून पुलिस ने ऐसे 25 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास ना तो कोई ज्योतिष शास्त्र की शिक्षा है और ना ही उनके पास किसी मठिया मंदिर का कोई ऐसा दस्तावेज जिससे वह साबित कर पाए कि वह सही मायने में साधु या संत है, ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया, इन पकड़े गए 25 ढोंगी बाबाओ मैं अनेकों राज्यों के लोग शामिल है, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, असम, उत्तराखंड के लोग हैं। वहीं इन 25 लोगों में से एक व्यक्ति बांग्लादेश का मूल निवासी भी पाया गया है, पुलिस को अंदेशा है कि साधु संन्यासियों का वेश अपनाकर कई मुजरिम भी आम जनमानस के बीच मौजूद हो सकते हैं जिसको ध्यान में रखते हुए इस अभियान को आगे भी जारी रखने की बात कही गई है, इसमें सभी जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने जिले में इस तरह के साधु-संतों का पेज धारण कर सड़क के किनारे या फिर गली मोहल्ले में घूमने वाले बाबो को भी चिन्हित कर पकड़े।

साथियों बात अगर हम उत्तराखंड में ढोंगी बाबाओ को पकड़ने ऑपरेशन कालनेमि की करें तो, देवभूमि कहे जाने वाले उत्तराखंड की छवि को धूमिल करने वाले पाखंडी बाबाओं के खिलाफ उत्तराखंड सरकार द्वारा सख्त रुख अपनाया गया है, इसी के तहत ऑपरेशन कालनेमि के नाम से एक अभियान की शुरूआत की गई है, इस अभियान के अंतर्गत जो भी लोग नकली साधु बन कर या साधुओं की वेशभूषा अपनाकर लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। देवभूमि उत्तराखंड में पग-पग पर आध्यात्मिक स्थल हैं, उसके बाहर साधु-संत और बाबा भी मौजूद रहते हैं, इनमें से कई तो सच्चे साधु-संत हैं लेकिन कई फर्जी भी, इन फर्जी बाबाओं के पास ज्ञान तो ना के बराबर होता है लेकिन आडंबर पूरा, अब उत्तराखंड पुलिस ने ऐसे फर्जी बाबाओं को धर-पकड़ के लिए एक विशेष अभियान छेड़ा है, ऑपरेशन कालनेमि इस ऑपरेशन के तहत देहरादून में 25 फर्जी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है ये सभी नकली साधु या बाबा आम लोगों को ठगने का काम कर रहे थे, पुलिस ने इन सभी लोगों को गिरफ्तार किया है, उन लोगों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश राज्य सरकार ने दिए हैं, कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री ने ऐसे लोगों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन कालनेमि की शुरूआत थी, इसमें सभी जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने जिले में इस तरह के साधु-संतों का पेज धारण कर सड़क के किनारे या फिर गली मोहल्ले में घूमने वाले बाबो को भी चिन्हित कर पकड़े, इस अभियान पर कार्यवाही करते हुऐ दून पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान 25 ऐसे बाबाओं को हिरासत में लिया गया है, जो कि किसी प्रकार के संगठन से जुड़े हुए दस्तावेज नहीं प्रस्तुत कर सके, पुलिस को अंदेशा है कि साधु संन्यासियों का वेश अपनाकर कई मुजरिम भी आम जनमानस के बीच मौजूद हो सकते हैं जिसको ध्यान में रखते हुए इस अभियान को आगे भी जारी रखने की जरूरत है तथा इसे पूरे भारत में सभी राज्यों ने लागू करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पाखंड और अंधविश्वास के नाम पर जनता को गुमराह करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए. उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की धार्मिक, जातीय या पंथीय पहचान की परवाह किए बिना राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगी और सख्त कदम उठाएगी, जनता से यह अपील गई गई है कि अगर उन्हें किसी भी फर्जी बाबा या ढोंगी के बारे में जानकारी हो, तो तुरंत प्रशासन को इसकी जानकारी दें, ताकि उनके विरुद्ध सख्त कदम उठाए जा सकें, सीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पाखंड और अंधविश्वास के नाम पर जनता को गुमराह करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए, उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की धार्मिक, जातीय या पंथीय पहचान की परवाह किए बिना राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस की नीतिअपनाएगी और सख्त कदम उठाएगी, जनता से यह अपील गई गई है कि अगर उन्हें किसी भी फर्जी बाबा या ढोंगी के बारे में जानकारी हो, तो तुरंत प्रशासन को इसकी जानकारी दें, ताकि उनके विरुद्ध सख्त कदम उठाए जा सकें।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सरकार का ऑपरेशन कालनेमि- ढोंगी नकली पाखंडी साधु संतों में भारी हड़कंप- सभी राज्यों ने इसका संज्ञान लेना समय की मांग, आध्यात्मिक आस्था की प्रतीक भारतीय देवभूमि पर आस्था पूजा श्रद्धा के नाम पर ठगी करने वाले नकली बाबाओं पर शिकंजा कसना जरूरी, आध्यात्मिक आस्था व देवभूमि की छवि धूमिल करने वाले पाखंडी ढोंगी नकली बाबाओं की सफल धरपकड़-उत्तराखंड सरकार का कालनेमि ऑपरेशन सराहनीय है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अब वोटर बनने के लिए नागरिकता का शिगूफा!

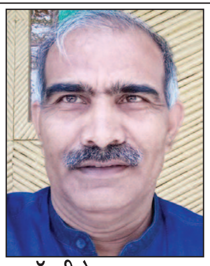

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

अब तक भारत में पहचान और नागरिकता साबित करने के लिए आधार कार्ड और पैन कार्ड को सबसे जरूरी दस्तावेज माना जाता था। लेकिन हाल ही में सरकार की नई घोषणा ने लोगों को चौंका दिया है। अब आधार और पैन की जगह दो नए दस्तावेजों को नागरिकता प्रमाण के तौर पर मान्यता दी जा रही है। यह बदलाव खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है जो आधार या पैन कार्ड नही बनवा पाए है।इन दो दस्तावेजों में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम व नागरिकता प्रमाणपत्र को अब पहचान और नागरिकता के पुख्ता सबूत के रूप में स्वीकार किया जाएगा, खासकर सरकारी योजनाओं, पासपोर्ट आवेदन, नौकरी या बैंक खाता खोलने जैसे मामलों में ये दस्तावेज काम आएंगे।यदि आपका नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में में नहीं है, तब आप नागरिकता प्रमाणपत्र के माध्यम से अपनी नागरिकता साबित कर सकते हैं। यह प्रमाणपत्र केंद्र सरकार या राज्य सरकार द्वारा जारी किया जाता है।नागरिकता प्रमाणपत्र लेने के लिए जरूरी दस्तावेज में जन्म प्रमाणपत्र या स्कूल का प्रमाणपत्र,साथ ही माता-पिता की नागरिकता से जुड़े दस्तावेज,इसके लिए सन
1950 से पहले का कोई भी निवास प्रमाणपत्र जैसे जमीन का रिकॉर्ड, राशन कार्ड आदि जिसे शपथ पत्र व दो गवाहों द्वारा सिद्ध किया जा सकता है।दरअसल आधार कार्ड एक पहचान पत्र है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है।वही पैन कार्ड मुख्यतः टैक्स से जुड़ा दस्तावेज है, जो नागरिकता को प्रमाणित नही करता।जिन लोगो का आधार कार्ड या पैन कार्ड में नाम, जन्मतिथि या पता गलत है या
जो सन 1950 से पहले के प्रवासी हैं या जिनके पूर्वज दूसरे देश से आए थे।या जो शरणार्थी है या फिर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहते हैं और जिनका राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम नहीं है और अब तक कोई वैध नागरिकता प्रमाणपत्र जिन्होंने नही बनवाया।
उन सभी को तुरंत संबंधित दस्तावेज इकट्ठा करके अपना नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर
में नाम जुड़वाना चाहिए या नागरिकता प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहिए। इसके लिए हर राज्य में नागरिकता प्रमाणपत्र केंद्र बनाए जा रहे हैं।एनआरसी अपडेट करने की प्रक्रिया फिर से शुरू की जा रही है,जिसके लिएडिजिटल पोर्टल तैयार किया गया है, जहां से फॉर्म भरे जा सकते हैं।स्थानीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे लोगों को उक्त दस्तावेज तैयार करने में मदद करें।सरकार ने अब तक भारत के प्रत्येक नागरिक को आधार कार्ड देने की मुहिम तो चलाई लेकिन नागरिकता प्रमाण पत्र के बारे में कभी नही सोचा गया। भले ही भाजपा ने सन 2014 के बाद अभी तक ज्यादातर चुनाव बिना किसी डर के जीते है लेकिन जब तीसरे आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 पार का नारा जनता ने नकार दिया तो भाजपा को सत्ता में बने रहने की फिक्र हुई और भाजपा सरकार के कहने पर पहली बार केंद्रीय चुनाव आयोग ने बिहार से मतदाताओं की नागरिकता जांचने की मुहिम शुरू की, जो अब सुप्रीम कोर्ट के सुनवाई दायरे में पहुंच गई है। यदि ये मुहिम भारत सरकार का गृह मंत्रालय उसी तर्ज पर चलाता जैसे कांग्रेस सरकार ने आधार पहचान पत्र के लिए देशव्यापी मुहिम चलाई थी,तब हम सब इसका समर्थन करते,लेकिन दुनिया के तमाम देशों में जन्मजात और अनुवांशिक नागरिकता प्रचलित है इसलिए सभी के पास अलग से कोई नागरिकता प्रमाण पत्र नही होता। नागरिकता प्रमाणपत्र उन्ही प्रदेशियों के लिए जारी किया जाता है जो इसके लिए बाकायदा आवेदन करते हैं। भारत में आमतौर से कोई भी शासकीय सुविधा या अधिकार पाने के लिए आयकर प्रमाण पत्र से ज्यादा महत्व आधार पहचान पत्र को दी जा रही है। ज्यादातर के पास वंशानुगत या जन्म आधारित नागरिकता है लेकिन इसका कोई प्रमाण पत्र भी किसी के पास नहीं है। हालांकि पासपोर्ट के आधार पर पूरी दुनिया देश के नागरिकों को भारतीय मानकर अपने यहां आने- जाने देती है, कारोबार करने देती है। लेकिन पासपोर्ट को अपने देश में नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं माना जाता। यदि विदेशी सरकारें भी भारत सरकार की तरह पासपोर्ट के आधार पर हमें भारतीय मानने से इंकार कर दें तो हम कहीं आ जा भी नही सकेंगे। यद्यपि पासपोर्ट जारी ही तब किया जाता है जब जन्म का, आवास का, संपत्ति का और पुलिस द्वारा चरित्र का सघन सत्यापन करा लिया जाता है, यही प्रक्रिया मतदाता पहचान पत्र जारी करने मे अपनाई जाती है। ऐसे में यदि बिहार या देश के किसी भी राज्य में जारी मतदाता पहचान पत्रों को संदिग्ध माना जा रहा है तो इसके लिए दोषी स्वयं केंद्रीय चुनाव आयोग है। चुनाव आयोग का बीएलओ से लेकर जिला स्तर का अधिकारी इस प्रक्रिया में दोषी है। क्योंकि उन्होंने ही एक लंबी प्रक्रिया के बाद आधार कार्ड आदि दस्तावेज बनवाये है।नागरिकता प्रमाण पत्र मुख्य रूप से उन लोगों को जारी किया जाता है जो जन्म, वंश, पंजीकरण, प्राकृतिकरण या क्षेत्रीय समावेशन के माध्यम से भारतीय नागरिकता प्राप्त करते हैं, नागरिकता अधिनियम, 1955 के मुताबिक, भारत में जन्मे अधिकांश लोग स्वतः नागरिक माने जाते हैं, और उनके लिए नागरिकता का प्रमाण आमतौर पर जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, या अन्य दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी आदि के माध्यम से स्थापित किया जाता है। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर बनाकर मौजूदा सरकार ने असम में एन आर सी प्रक्रिया के तहत नागरिकता सत्यापन करने का अभियान चलाया था जिसमें लगभग 1.9 मिलियन लोग नागरिकता साबित करने में असफल रहे है, लेकिन इनमें से किसी को भी देश निकाला नहीं दिया गया है। यही सब अब बिहार में बिना एन आर सी के करने की कोशिश की जा रही है।जिससे साफ है कि बिहार से भी किसी को नहीं निकाला जाएगा, केवल उनका मताधिकार छीना जाएगा ताकि वे भाजपा को न हरा सकें।वास्तविकता यह है कि भारत की कुल जनसंख्या लगभग 140 करोड़ है, इनमें से अधिकांश लोग जन्म के आधार पर स्वतः भारतीय नागरिक हैं।केवल उन लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र की आवश्यकता पड़ती है जो गैर-नागरिक पृष्ठभूमि से आते हैं या जिन्होंने पंजीकरण/प्राकृतिकरण के माध्यम से नागरिकता प्राप्त की है।ऐसे में आधार कार्ड ,पैन कार्ड आदि को दरकिनार कर नागरिक प्रमाण पत्र को आधार बनाकर वोटर तय करना आज के समय मे बेमानी ही कहा जायेगा।

(लेखक ज्वलंत मुद्दों के जानकार वरिष्ठ पत्रकार है)
(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर अमल करे चुनाव आयोग- अवैध घुसपैठियों के खिलाफ भी हो कड़ी कार्रवाई

बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान-रक्फ़ के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लंबी सुनवाई करने और दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए जरूरी मान्य दस्तावेजों में आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी शामिल करने पर विचार करे। देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग से कई अहम मुद्दों पर जवाब दाखिल करने को भी कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक नहीं लगाई है। यानी चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया यह विशेष अभियान चलता रहेगा। लेकिन अदालत ने आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर बिहार के आम मतदाताओं की मुश्किलों को भी आसान करने का प्रयास किया है। इससे पूरी प्रक्रिया आसान होगी और वोटर लिस्ट को लेकर जिस तरह की आशंकाएं पैदा हो रही है, उसे भी कम करने में मदद मिलेगी।

दरअसल, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कर, उन्हें वोट देने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करना है। चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट से जीवित मतदाताओं का नाम हटाना नहीं है। चुनाव आयोग किसी भी मतदाता से उसका मताधिकार कतई नहीं छीन सकता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, बिहार सहित पूरे देश में आधार कार्ड को जिस तरह से बाकी सभी कार्डों, बैंक खातों और सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया है, उसके बाद आधार कार्ड को पूरी तरह से खारिज करने से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। बिहार में कई जिलों में इस अभियान के तहत आधार कार्ड को स्वीकार किया जा रहा था और कई जिलों में नहीं किया जा रहा था, जिससे कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई थी। ऐसे में यह बहुत जरूरी माना जा रहा था कि चुनाव आयोग कोई बीच का रास्ता निकाले।

सुप्रीम कोर्ट ने भले ही रक्फ़ पर रोक नहीं लगाई हो लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल पूछे हैं, उससे चुनाव आयोग की इस पूरी कवायद पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव और चुनाव आयोग के इस अभियान को लेकर सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण सवाल भी पूछे। हालांकि जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने साफ-साफ कहा कि वे संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने चुनाव आयोग को अपना जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। वहीं याचिकाकताओं को उसके एक सप्ताह बाद जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

यह मामला केवल बिहार तक ही सीमित रहने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में दूसरे राज्यों में मतदाता सूची की समीक्षा कैसे होगी, यह बिहार के मॉडल पर निर्भर करेगा इसलिए सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर सबकी नजरें बनी रहेंगी।

हालांकि यह भी एक कड़वा सच है कि बिहार सहित देश के कई राज्यों में अवैध घुसपैठियों की भरमार हो गई है। भारत 70 के दशक से ही बांग्लादेश से आने वाले अवैध घुसपैठियों से त्रस्त रहा है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान म्यामांर से भी रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ देश में बढ़ती जा रही है। देश के कई जिलों में इन अवैध घुसपैठियों की वजह से हालात काफी भयावह हो गए हैं,इसे नकारा नहीं जा सकता है। बिहार के भी कई जिले, अवैध घुसपैठियों से भरे पड़े हैं, इस सच्चाई को भी खारिज नहीं किया जा सकता। कहा जाता है कि बिहार के सीमांचल इलाकों में अवैध घुसपैठियों की संख्या तेजी से बढ़ी है लेकिन सच्चाई यह है कि बिहार का हर जिला बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों से पीड़ित है। बिहार के मिथिलांचल इलाके में भी अवैध घुसपैठियों की संख्या खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। लेकिन इस समस्या का समाधान कर पाना चुनाव आयोग के वश में नहीं है। इसके लिए केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय को विभिन्न एजेंसियों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर अभियान चलाना होगा। एक तरफ सीमा से होने वाली घुसपैठ को हर हाल में रोकना होगा, दूसरी तरफ सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक ढांचे को भ्रष्टाचार मुक्त और चुस्त-दुरुस्त बनाना होगा। इसके साथ ही देश में घुस चुके घुसपैठियों को देश से हर कीमत पर बाहर भगाने के लिए भी एक व्यापक अभियान चलाना होगा। यह समय की मांग है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बाहर भगाने के लिए जल्द से जल्द इस तरह का अभियान बड़े पैमाने पर शुरू किया जाए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।

राजकीय बालिका छात्रावास बछरायु में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, 20 मीटर बाउंड्री टूटने से छात्राओं की सुरक्षा के साथ खिलवाड़

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले में राजकीय बालिका छात्रावास, बछरायु, जो सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बालिकाओं को शिक्षा और सुरक्षित आवास प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था, इन दिनों गंभीर सुरक्षा चिंताओं के घेरे में है। हाल ही में सामने आए एक मामले ने छात्रावास की लचर व्यवस्थाओं को उजागर किया है, जहां परिसर की लगभग 20 मीटर लंबी बाउंड्री वॉल टूटने से छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस घटना ने न केवल प्रशासन की लापरवाही को सामने लाया है, बल्कि छात्राओं और उनके अभिभावकों में भी भय और असुरक्षा की भावना पैदा की है। राजकीय बालिका छात्रावास, बछरायु, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की उन बालिकाओं के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जो आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित रह सकती हैं। यहाँ निशुल्क

शिक्षा, आवास, भोजन, और अन्य मूलभूत सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। विद्यालय की स्थापना का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। लेकिन हाल की घटना ने इस नेक मिशन पर काला धब्बा लगा दिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, छात्रावास की बाउंड्री वॉल का 20 मीटर हिस्सा अचानक ढह गया, जिसके कारण परिसर पूरी तरह असुरक्षित हो गया है। यह दीवार न केवल बाहरी घुसपैठियों से सुरक्षा प्रदान करती थी, बल्कि छात्रावास की गोपनीयता और अनुशासन को भी बनाए रखती थी। दीवार के टूटने से न केवल बाहरी असामाजिक तत्वों का खतरा बढ़ गया है, बल्कि परिसर में रहने वाली छात्राओं के बीच भी डर का माहौल है। अभिभावकों ने इस स्थिति पर गहरी नाराजगी जताई है और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। छात्रावास में रहने वाली एक छात्रा ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, "रात के समय हमें डर लगता है, क्योंकि टूटी हुई दीवार के पास कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। बाहरी लोग आसानी से परिसर में प्रवेश कर सकते हैं।" अभिभावकों का कहना है कि प्रशासन की उदासीनता के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। कई बार इस मुद्दे को स्थानीय अधिकारियों के सामने उठाया गया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। स्थानीय प्रशासन ने इस मामले में अपनी सफाई देते हुए कहा कि बाउंड्री वॉल की मरम्मत के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। लेकिन इस बयान को लेकर अभिभावक और स्थानीय लोग संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि मरम्मत कार्य में देरी से स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसके अलावा, छात्रावास में सुरक्षा गार्डों की कमी और रात के समय पर्याप्त निगरानी न होने की शिकायतें भी सामने आई हैं। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि वे इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और जल्द ही मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। साथ ही, अस्थायी सुरक्षा व्यवस्था के लिए अतिरिक्त गार्ड तैनात करने की बात कही गई है। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कदम पहले ही उठा लिया जाना चाहिए था। यह घटना बालिका शिक्षा और सुरक्षा के प्रति सरकारी तंत्र की लापरवाही को दशार्ती है। बछरायु जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ बालिकाओं के लिए शिक्षा और सुरक्षित माहौल पहले से ही एक चुनौती है, ऐसी घटनाएँ उनके भविष्य को और जोखिम में डाल सकती हैं। समाज के कमजोर वर्गों की इन बेटियों के लिए सरकार को तत्काल और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि उनकी सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित हो सके। अंत में, यह जरूरी है कि प्रशासन न केवल बाउंड्री वॉल की मरम्मत करे, बल्कि दीर्घकालिक सुरक्षा उपायों को भी लागू करे। बालिकाओं की सुरक्षा और शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का आधार है, और इस दिशा में कोई भी लापरवाही अस्वीकार्य है।

जिलाधिकारी ने यातायात सुरक्षा के लिए सेतुओं और पहुँच मार्गों के निरीक्षण के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने वर्षा ऋतु के कारण जनपद में सेतुओं और पहुँच मार्गों के क्षतिग्रस्त होने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए यातायात सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने जनपद में निर्मित सभी सेतुओं का गहन निरीक्षण करने के लिए परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड (सेतु निर्माण), अधिशासी अभियंता, मध्य गंगा नहर निर्माण (सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग), तथा अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड, लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि संबंधित विभागों के सक्षम अधिकारी अपने अधीनस्थ सभी सेतुओं का निरीक्षण करें और निरीक्षण आख्या दो दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। यह कदम जनपद में यातायात की सुरक्षा और सुगमता बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

रिक्रूट आरक्षियों को मेला ड्यूटी, त्यौहार ड्यूटी, श्रावण कांवड़ ड्यूटी, भीड़ नियंत्रण एवं आमजन से समन्वय स्थापित करने के विषय में दिया गया प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में रिक्रूट आरक्षियों के समग्र विकास हेतु विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को रिक्रूट आरक्षी ट्रेनिंग सेंटर (फ्ळठ), डिडौली में संचालित खळउ (ज्वाइंट ट्रेनिंग कोर्स) के अंतर्गत 265 रिक्रूट आरक्षियों को क्षेत्राधिकारी लाइन अभिषेक कुमार यादव द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को मेला ड्यूटी, त्यौहार ड्यूटी, श्रावण कांवड़ ड्यूटी, भीड़ नियंत्रण एवं आमजन से समन्वय स्थापित करने के विषय

में प्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण सत्र में रिक्रूट आरक्षियों को बताया कि त्योहारों और मेलों के दौरान पुलिस का व्यवहार ही जनविश्वास की सबसे बड़ी कसौटी होता है। ड्यूटी के दौरान अनुशासन, सतर्कता और संयम के साथ कार्य करना अत्यंत आवश्यक है। आमजन से मधुर व्यवहार, समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता तथा कानून का प्रभावी अनुपालन ही एक जिम्मेदार पुलिसकर्मी की पहचान है। इसके अतिरिक्त, भीड़ नियंत्रण की बारीकियों, इमरजेंसी रिस्पॉन्स, महिला व बाल सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई जैसे विषयों पर भी रिक्रूट आरक्षियों को प्रशिक्षित किया गया, जिससे वे आगामी ड्यूटियों हेतु पूर्ण रूप से तैयार रह सकें। प्रशिक्षण के दौरान रिक्रूट आरक्षियों ने उत्सुकतापूर्वक सहभागिता की और विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाया।

त्रिस्तरीय पंचायत की निर्वाचक नामावली का राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाएगा बृहद पुनरीक्षण:-डीएम निधी गुप्ता वत्स

अमरोहा। जिले की जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगर निकाय) निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुए कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत की निर्वाचक नामावली का राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा बृहद पुनरीक्षण किया जाएगा। किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिन्ट करने की कार्यवाही। बी०एल०ओ० एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन उन्हें तत्सम्बन्धी जानकारी देना प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि का वितरण (उपर्युक्त दोनों कार्यवाही पृथक-पृथक तथा समानान्तर चलेगी।) जो 18 जुलाई 2025 से 13 अगस्त 2025 तक चलेगी। बी०एल०ओ० द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करने की अवधी (01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किये जायेंगे।) जो 14 अगस्त, 2025 से 29 सितम्बर, 2025 तक, आनलाईन आवेदन करने की अवधि 14 अगस्त, 2025 से 22 सितम्बर, 2025 तक, ऑनलाईन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर

जाँच करने की अवधि 23 सितम्बर, 2025 से 29 सितम्बर 2025 तक, निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि 23 सितम्बर, 2025 से 29 सितंबरर, 2025 तक, ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूट्रीकृत पांण्डुलिपि तैयार करत्ता (निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूट्रीकरण की कार्यवाही) 30 सितंबर 2025 से 6 अक्टूबर 2025 तक, निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूट्रीकरण के उपरांत मतदान केन्द्र स्थलों का कमांकन मतदाता कमांकन मतदेय स्थलों के वाडौं की मैपिंग मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियाँ कराने आदि दिनांक 25 नवम्बर 2025 से 04 दिसम्बर 2025 तक, अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन 05 दिसम्बर, 2025, आलेख के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण दिनाक 06 दिसम्बर, 2020 से 12 दिसम्बर 2025 तक, दावे एवं आपत्तियों प्राप्त करना (01 जनवरी, 2028 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार किये जायेंगे) 08 दिसम्बर, 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक किये जायंगे। दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 13 दिसंबर, 2025 से 19 दिसंबर, 2025 तक, दावे आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत पाण्डुलिपियों तैयार करना, सहायक निर्वाचक अधिकारी के कार्यालय में जमा करने की अवधि 20 दिसंबर, 2025 से 23 दिसंबर, 2025 तक, दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत पूरक सूचियों की कम्प्यूट्रीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही दिनांक 24 दिसंबर, 2025 से 08 जनवरी, 2026 तक, पूरक सूचियों की कम्प्यूट्रीकरण के उपरांत मतदान केन्द्र / स्थलों का कमांकन मतदाता कमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने आदि दिनाक 09 जनवरी, 2026 से 14 जनवरी 2026तक और निर्वाचक नामावलियों का जन सामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन 16 जनवरी, 2026 नियत है। उन्होंने कहा कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकारी के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रमुख स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार प्रसार किया जायेगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना पट पर भी यह कार्यकम प्रदर्शित किया जायेगा और निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अप्रकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित समय सारणी के अनुसार निर्वाचक नामावली बृहद पुनरीक्षण कार्य पूर्ण कराया जायेगा। किसी भी परिस्थिति में समय सीमा नहीं बढ़ाई जायेगी।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संचारी रोगों पर नियंत्रण अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु बेहतर अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने डेंगू और अन्य वेक्टर बोर्न बीमारियों की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा छिड़काव के लिए निर्देश दिए। इसके अलावा आमजन को साफ सफाई और बचाव के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए। बैठक में ब्लॉकवार अभियान की प्रगति जानते हुए निर्देश दिए कि सप्ताह में प्रत्येक शनिवार को प्रभारी चिकित्साधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं सीडीपीओ संयुक्त रूप से बैठक कर अभियान में आ रही समस्याओं के समाधान पर चर्चा की जाए। साथ ही, इस बैठक की विस्तृत रिपोर्ट सोमवार को होने वाली बैठक में भी प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु संचालित विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान31 जुलाई तक चलाया जाएगा। उन्होंने संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आईसीडीएस, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निगम, कृषि एवं सिंचाई विभाग, पशुपालन विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं अन्य संबंधित विभागों के अंतर्विभागीय सहयोग द्वारा संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित कराया जाए। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। नगरीय एवं देहाती क्षेत्रों में सफाई एवं जलभराव निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों की जागरूकता के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां इस प्रकार से संचालित की जाएं कि उनमें संचारी रोग नियंत्रण के प्रति समझ विकसित हो सके। सभी विभाग सौंपी गई जिम्मेदारियों का भली प्रकार से निर्वहन करें। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही हुई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ढ़वारसी चौकी क्षेत्र के गांव में पहले उड़ा ड्रोन जैसा दिखने वाला यंत्र, फिर हो गई चोरी

ढ़वारसी/अमरोहा (सब का सपना):- चौकी क्षेत्र के गांव में पिछले कई दिनों से ड्रोन, एलियन, उड़नतश्तरी जैसे यंत्र पिछले कई दिन से आसमान में उड़ रहे हैं। जिसे देखकर ग्रामीणों में भय बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण डर के कारण रात भर जागने के लिए मजबूर है चौकी क्षेत्र के काफी गांवो में रविवार देर रात्रि आसमान में ड्रोन जैसे यंत्र उड़ते हुए दिखाई दिए। जैसे ही ग्रामीणों ने ड्रोन जैसे यंत्र को आसमान में उड़ता हुआ देखा तो ग्रामीणों में हलचल मच गई। ग्रामीण आपस में चर्चा करने लगे कि इन यंत्रों से कहीं गांव की रेकी तो नहीं हो रही लेकिन ड्रोन जैसा दिखने वाला यंत्र उड़ने के लगभग 2 घंटे पश्चात ही चौकी क्षेत्र के गांव बुखारीपुर में गांव के बाहरी छोर पर मनोज के घर से ई रिक्शा से बैट्रे चोरी हो गए। जब ई रिक्शा से बैटरी चोरी होने की घटना का पता ई रिक्शा स्वामी को चला तो उसने डायल 112 को सूचना दी जिसके बाद डायल 112 भी मौके पर पहुंच गई थी। ग्रामीणों का कहना है की हमारे गांव में रात्रि में ड्रोन जैसा यंत्र आसमान में उड़ता हुआ दिखाई दिया है और ई रिक्शा से बैट्रं चोरी हो गए। वहीं कुछ ग्रामीणों का मानना है की पुलिस की अनदेखी के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी जैसी घटनाएं बढ़ रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि आसमान में उड़ने वाले इस यंत्र का पदार्फाश होना चाहिए और ई रिक्शा से बैटरी चोरी के खुलासे की भी मांग की है।

बोल बम और हर हर महादेव के जयघोष के साथ गूंजे शिवालय

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना:- सावन के पहले सोमवार को ढवारसी और आसपास के शिवालयों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिरों के बाहर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। ढवारसी के प्राचीन शिव मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा, जहां उन्होंने श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक कर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके अलावा क्षेत्र के कोकापुर गांव स्थित प्रकटेश्वर शिव मंदिर में भी आस्था का सैलाब देखने को मिला। यहां सैकड़ों भक्तों ने भगवान शिव को जल चढ़ाकर अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना की। पूरे दिन शिवालय बोल बम और हर हर महादेव के जयकारों से गूंजते रहे। जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया था। भक्तों में बच्चों से लेकर बड़े तक शामिल रहे। कई श्रद्धालु हरिद्वार तथा

ब्रजघाट से कांवड़ लेकर पहुंचे, जिन्होंने गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक किया। मंदिरों में सुरक्षा के जरूरी इंतजाम किए गए थे ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। मंदिर समितियों ने मिलकर भक्तों को सुगम दर्शन कराने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की थीं। सावन का पहला सोमवार होने के कारण भक्तों का उत्साह चरम पर था। यह दिन भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष महत्व रखता है। माना जाता है कि इस दिन सच्चे मन से की गई पूजा से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

ढवारसी और कोकापुर के अलावा क्षेत्र के छोटे-बड़े शिवालयों में भी ऐसी ही भीड़ देखने को मिली। सावन के इस पावन महीने में शिवभक्ति का यह अद्भुत नजारा मन को मोह लेने वाला था।

अमरोहा में प्रभागीय वनाधिकारी एसपी सिंह के नेतृत्व में पौधारोपण लक्ष्य पूर्ण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) एसपी सिंह के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण पौधारोपण अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' और 'पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ' अभियान के तहत जिले में लाखों पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया था, जिसे एसपी सिंह की कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण समय पर पूरा कर लिया गया। इस अभियान ने न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी हरियाली के महत्व के प्रति जागरूक किया। प्रभागीय वनाधिकारी एसपी सिंह ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिले के विभिन्न विभागों, स्कूलों, सामाजिक संगठनों और ग्राम पंचायतों के साथ मिलकर एक समन्वित रणनीति तैयार की। जिले की डीएम निधि गुप्ता के साथ समीक्षा बैठकों में उन्होंने पौधारोपण की कार्ययोजना को विस्तार से प्रस्तुत किया और सभी विभागों को अपने-अपने लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के लिए प्रेरित किया। इस अभियान के तहत जिले में आम, नीम, पीपल, बरगद, अशोक, आंवला, जामुन, अमरूद और अन्य छायादार व फलदार पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण अभियान का शुभारंभ जिले के विभिन्न हिस्सों में आयोजित समारोहों के साथ हुआ। ओपीएस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में सांसद कंवर सिंह तंवर ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया और डीएफओ एसपी सिंह की उपस्थिति में लगभग 500 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, जिससे पर्यावरण के प्रति उनकी जागरूकता में वृद्धि हुई। डीएफओ ने इस अवसर पर बताया कि तिगरिया में अटल उद्यान के निर्माण की योजना है, जो जिले में हरियाली को और बढ़ाएगी। एसपी सिंह ने न केवल पौधों के रोपण पर ध्यान दिया, बल्कि उनकी सुरक्षा और देखभाल पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड और फेंसिंग का उपयोग किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा श्रमिकों की सहभागिता सुनिश्चित की गई, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिले। जिले के सभी स्कूलों में बच्चों को अपने जन्मदिन पर या अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिसे उन्होंने उत्साहपूर्वक अपनाया। इस अभियान के तहत जिले में 39 लाख 95 हजार 200 पौधों का रोपण किया गया, जो उत्तर प्रदेश के 37 करोड़ पौधों के लक्ष्य का एक हिस्सा है। डीएफओ एसपी सिंह ने कहा, "पेड़ हमारे मौन तपस्वी हैं, जो हमें ऑक्सीजन, छाया और जीवन देते हैं। इनका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है।" उनके नेतृत्व में अमरोहा जिला पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक मिसाल बन गया है।

डायल 112 पुलिस ने यात्री का गुम हुआ बैग वापस कराया

सम्भल(सब का सपना):- थाना गुन्नौर में संचालित यूपी-112 पुलिस को सूचना प्राप्त हुई, जिसमे कॉलर समीर अहमद पुत्र फैज मौहम्मद निवासी मलपुर थाना भूता जनपद बरैली ने बताया कि मेरा बैग रोड वेज बस मे छूट गया है। पुलिस साहयता चाहिए। उक्त इवेंट पर पीआरवी कर्मियों द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए मात्र 4 मिनट में घटनास्थल गुन्नौर चौराहा पर पहुँचे तो कॉलर द्वारा बताया गया की मैं दिल्ली से रोड वेज बस यूपी78जेटी3828 द्वारा अपने गांव मलपुर थाना भूता जनपद बरैली जा रहा था तभी खाना खाने हेतु गुन्नौर चौराहे पर उतरते समय मेरा बैग बस में ही रह गया है। पीआरवी कर्मियों ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए कॉलर को अपने साथ लेकर आस पास के दुकानदारों व वहाँ खडी रोड बेस के बस ड्राइवर से जानकारी की गयी तो उन्होने बताया की कावड यात्रा के कारण रूट डायवर्ट है बसे रजपुरा होते हुये जा रही है इस सम्बन्ध में तत्काल आरओआईपी कन्ट्रोल रूम जनपद सम्भल को अवगत कराया, आरओआईपी कन्ट्रोल रूम द्वारा थाना रजपुरा क्षेत्र की पीआरवी 7666 को रोड पर भ्रमणशील रहकर सम्बन्धित बस को रूकबाने को बताया गया। कुछ समय पश्चात निकट धामपुर सुगरमिल थाना रजपुरा के पास बस को आते देख पीआरवी कर्मियों द्वारा बस को रूकबा कर बैग को बस में तलाश कर कॉलर को बुलाकर उसके बैग को सुपुर्द किया गया। जिसकी जनता द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी तथा कॉलर ने कोटि-कोटि धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया।

100 आंगनबाड़ी केंद्रों पर सबसे कमजोर बच्चों की होगी जांच, 15 जुलाई से चलेगा ग्रोथ मेजरमेंट अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अवगत कराया कि 15 जुलाई से शुरू हो रहे संभव अभियान 5.0 के तहत जनपद में कमजोर और नाटे बच्चों की पहचान और उनके पोषण स्तर के यथार्थ मूल्यांकन के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। जिले के 100 ऐसे आंगनबाड़ी केंद्रों को चिह्नित किया गया है, जहां सर्वाधिक संख्या में स्टंटिंग (नाटापन) से पीड़ित 0 से 5 वर्ष तक के बच्चे हैं। इन केंद्रों पर 15 जुलाई से ग्रोथ मेजरमेंट (लंबाई, ऊंचाई व वजन) का कार्य शुरू किया जाएगा। डीएम ने 15 जुलाई से शुरू होने वाले संभव अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कुपोषित और कम हाइट वाले बच्चों को चिन्हित कर उनकी डाइट में सभी पोषक तत्व देते हुए उनको कुपोषित की श्रेणी से बाहर निकलना है। उन्होंने कहा कि यह कार्य देश और प्रदेश के विकास के लिए बहुत जरूरी है। कोई भी बच्चा कुपोषित रहकर पीछे न रह जाए इसलिए ये अभियान शुरू किया गया है। जिससे सभी कुपोषित बच्चे स्वस्थ होकर एक अच्छा जीवन जीते हुए देश की प्रगति में योगदान दे सके। उन्होंने बताया कि अभियान के अन्तर्गत 100 ग्राम पंचायतों के नोडल अधिकारी नामित किए गए है जिन्हें सही से वजन तथा लम्बाई नापने हेतु निर्देशित किया गया है ताकि नाटेपन एवं लो बर्थ वेट रेट में कमी लाई जा सके। इससे पहले सोमवार को प्रमुख सचिव, निदेशक बाल विकास की अध्यक्षता में नोडल अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें लखनऊ से ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर मेजरमेंट प्रक्रिया के सभी बिंदुओं पर जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण मे पोषण ही बच्चे के संपूर्ण विकास की बुनियाद है बात पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अभियान के दौरान अगर ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस में कोई तकनीकी दिक्कत आती है, तो तुरंत दूसरी मशीन से रिप्लेस किया जाए। किसी भी हाल में अभियान की रफ्तार न रुके। हर नोडल अधिकारी सुबह पूर्वाह्न 09 बजे पर समय से केंद्र पहुंचे और कोई भी बच्चा मापन से वंचित न रहे। बच्चों को केंद्र पर लाने की जिम्मेदारी सहायिका की होगी, जिसकी निगरानी सीडीपीओ करेंगे। डीएम ने कहा कि सभी अफसर जिम्मेदारी को निजी रुचि से निभाएं। मापन कैसे होगा? डीपीओ ज्ञान प्रकाश तिवारी ने समझाया तरीका डीपीओ ने बताया कि नोडल अधिकारी संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों पर उपलब्ध कराई गई नामवार सूची के अनुसार बच्चों का वजन एवं ऊंचाई अपने सामने मापेंगे। यदि पोषण ट्रैकर पर दर्ज पुराने आंकड़ों में कोई अंतर पाया गया तो संशोधित आंकड़े पोषण ट्रैकर पर अपडेट किए जाएंगे और रिपोर्ट में इस अंतर का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाएगा। यदि कोई बच्चा 15 जुलाई को मेजरमेंट से छूट जाता है तो उसका मापन 16 जुलाई को किया जाएगा, जिससे कोई भी बच्चा इससे वंचित न रहे। संभव अभियान : हर केंद्र पर तैनात नोडल अधिकारी, बीडीओ होंगे पर्यवेक्षक जिले में ग्रोथ मेजरमेंट के लिए मजबूत इंतजाम किए गए हैं। हर आंगनबाड़ी केंद्र पर एक नोडल अधिकारी तैनात किया गया है, जबकि बच्चों के मापन की जिम्मेदारी सीएचओ को दी गई है। 4झ5 केंद्रों पर एक सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिनमें खंड शिक्षा अधिकारी और आपूर्ति निरीक्षक शामिल हैं। ब्लॉक स्तर पर बीडीओ को पर्यवेक्षक बनाया गया है। लॉजिस्टिक सपोर्ट के लिए सीडीपीओ और मुख्य सेविकाएं जिम्मेदार होंगी। सभी 100 केंद्रों पर ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस उपलब्ध करा दी गई हैं। जिला स्तर पर वॉर रूम की व्यवस्था मापन कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए जनपद स्तर पर एक वॉर रूम भी स्थापित किया गया है। किसी भी समस्या की स्थिति में संबंधित अधिकारी परियोजना के बाल विकास अधिकारी से संपर्क कर सकते है। इसके लिए सभी बीडीओ, बीईओ, आपूर्ति निरीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार द्वारा आगामी माह में जोड़े जाने हेतु फ्लैगशिप के रूप में चिन्हित किये गये अतिरिक्त प्रोजेक्ट तथा प्रदेश में जनपद की रैंक आदि बिन्दुओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। पं. दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पर ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रोइरीगेशन योजना तथा खराब ट्रांसफार्मर की शिकायतों का निस्तारण, दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे ग्रामीण पर चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे ग्रामीण को लेकर अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देशित करते हुए कहा कि इसको प्रत्येक माह देखें। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पर चर्चा की गयी एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डे एन आर एल एम बैंक क्रेडिट लिंकेज तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में ग्रेड कम प्राप्त होने पर परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। आर ई डी द्वारा भवन निर्माण को लेकर अधिशासी अभियंता आर ई डी को शीघ्र कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। 102 एम्बुलेंस तथा 108 एम्बुलेंस तथा टेली रेडियोलॉजी, सीटी स्कैन तथा दुग्ध मूल्य भुगतान की स्थिति को जाना। दिव्यांग पेंशन आधार सीडिंग, जीरो पॉवर्टी, के विषय में जाना तथा संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि टॉप 5 में आने का प्रयास करें। फैमिली आईडी, 15 वे वित्त आयोग ग्राम पंचायत तथा 5 वां वित्त आयोग ग्राम पंचायत, व्यक्तिगत शौचालय, राज्य योजना पर्यटन, सामाजिक वनीकरण पर चर्चा की गयी। बेसिक शिक्षा के अन्तर्गत ऑपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत ग्रेड कम आने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। निराश्रित गोवंश एवं पशु टीकाकरण को लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मत्स्य उत्पादन को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि 0.2 हेक्टेयर के तालाब चिन्हित करने के निर्देश दिए। मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना, प्रोजेक्ट अलंकार, सेतुओं का निर्माण, नई सड़कों का निर्माण, सड़कों का अनुरक्षण, ओडीओपी टूल किट, पर चर्चा करें। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा इसको लेकर साप्ताहिक बैठक करें। बैठक के अन्तर्गत उपायुक्त एन आर एल एम ज्ञान सिंह द्वारा लोकल फॉर वोकल के अन्तर्गत विकासखण्ड पवांसा के ग्राम रसूलपुर धतरा के चांद स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा भुट्टा के छिलकों से तैयार उत्पाद जिलाधिकारी को भेंट किया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम तथा शासन अनुशासनम् पर चर्चा की गयी। इसके उपरांत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की गयी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अल्पसंख्यक विभाग के अन्तर्गत तैयार किये जा रहे सदभावना मण्डप, राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज शाहपुर डसर को लेकर जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। कलक्ट्रेट के अनावासीय भवन, पुलिस लाइन तथा राजकीय हाईस्कूल असालतपुर जारई, आदि निर्माण कार्यों को लेकर चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि समय से प्रोजेक्ट पूर्ण करें नहीं तो कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग राजीव कुमार जिला कृषि अधिकारी प्रबोध मिश्रा एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता मे सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक की गई

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकासखंड एवं विभाग वार गूगल मीट के माध्यम से योजना के अन्तर्गत लक्ष्य के सापेक्ष कनेक्शन की प्रगति की जानकारी प्राप्त की एवं प्रगति बढाने के निर्देश दिए। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति खराब होने को लेकर संबंधित पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारियों के निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कैंप लगाकर कार्य को शत प्रतिशत कराना सुनिश्चित करें। पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के वेंडरों से समस्या के विषय में जानकारी प्राप्त की जिसको लेकर विद्युत विभाग से संबंधित समस्या के विषय में बताया मुख्य विकास अधिकारी ने विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से संबंधित समस्या है उसे समय रहते हुए तथा शीघ्र निस्तारण कराया जाए। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत को भी योजना के लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा की शत प्रतिशत लक्ष्य के सापेक्ष कार्य किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रगति को विकास खंडवार बनाया जाए जिससे समीक्षा गहनता से की जा सके। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, अपर जिला पंचायती राज सीपी सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

लेखपाल की आत्महत्या के मामले को प्रांतीय आवाहन पर लेखपाल संघ ने जनपद भर की सभी तहसीलों में किया गया धरना प्रदर्शन

बदायूं (सब का सपना) एसपी सैनी:- लेखपाल संघ द्वारा जनपद हापुड़ के लेखपाल की मौत पर तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। लेखपाल संघ का आरोप है कि हापुड़ के डीएम की कार्यवाही से लेखपाल सुभष मीणा ने तनाव में आकर आत्महत्या कर ली। इस बात से आहत होकर सदर तहसील के लेखपाल संघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम सदर को सोमवार को सौंपा। जिलाध्यक्ष भोजराज सिंह महामंत्री कमल सिंह ने कहा कि जनपद हापुड़ में जिलाधिकारी द्वारा दमनात्मक व्यवहार एवं उत्पीड़न की कार्रवाई से लेखपाल की मौत हो गई है। हापुड़ जनपद के डीएम ने अधीनस्थ के प्रतिअपमानजनक एवं दमनात्मक व्यवहार बिना जांच किए झूठी शिकायत पर उत्पीड़न की कार्यवाही की गई। जिससे लेखपाल सुभाष मीणा ने तनाव में आकर आत्महत्या कर ली। इस हृदयविदारक घटना से प्रदेश के समस्त लेखपाल आहत है। लेखपाल संघ ने अपनी मांगों में कहा कि मृतक के आश्रितों को आर्थिक सहायता दी जाए और योग्यता अनुसार सरकारी सेवा में नियुक्ति तत्काल दी जाए दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जाए। इस दौरान सदर तहसील के सत्येंद्र पाल शाक्य, कुलदीप भारद्वाज, सौदान सिंह आदि लेखपाल, कानूनगो आदि मौजूद रहे। वही लेखपाल संघ शाखा तहसील बिसौली तहसील सहसवान तहसील दातागंज तहसील बिल्सी में भी प्रांतीय आवाहन पर लेखपाल संघ ने तहसील कार्यालय पर धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन किया तथा मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भी एसडीएम को सौपा।

सांसद आदित्य यादव एक दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र में करेंगे प्रवास

एक्सीडेंट में मृतको के शोकाकुल परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेगें

सहसवान /बदायूं (सब का सपना) एसपी सैनी:- समाजवादी पार्टी के बदायूँ लोकसभा क्षेत्र सांसद आदित्य यादव मंगलवार को एकदिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र बदायूँ आ रहे है। जो शोकाकुल परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेगें। सांसद15 जुलाई अपरान्ह 12 बजे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार समाजवादी पार्टी प्रतिनिधि मण्डल के साथ ग्राम हरगोविन्दपुर विधानसभा क्षेत्र गुन्नौर जनपद सम्भल पहुंचेगें। जनपद सम्भल के विधानसभा क्षेत्र गुन्नौर ब्लाक जुनावई ग्राम हरगोविन्दपुर निवासी सुखपाल पासी के पुत्र की बारात बोलेरो से जा रही थी जो दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिससे दूल्हा समेत 8 लोगों की दर्दनाक मुत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते पर सांसद यादव शोकाकुल परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेगें। इसके पश्चात अपरान्ह 3 बजे विधानसभा क्षेत्र बिसौली के ग्राम करखेडी मजरा मैनपुरी में पंहुचेगें। ग्राम करखेडी मजरा मैनपुरी में मार्ग दुर्घटना में 5 लोगों की दुःखद मृत्यु हो गयी थी। घटना की जानकारी व शोकाकुल परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेगें।

सम्भल में मृत गोवंश पशु को नोंचते आवारा कुत्ते, संबंधित बेखर

गांव में गंदगी को लेकर लोगों में रोष, गांव के कुछ रास्ते कीचड़ से भरे, नही होती सफाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पंवासा विकास खंड के गांव अहमदनगर थरैसा में मृत पडे गोवंशीय पशु को कुत्ते नोंच नोंच कर खा रहे है परन्तु इसे कोई देखने वाला नही है। योगी आदित्यनाथ के प्रदेश में यह सभी को अवगत हैं कि सरकार गोवंश के प्रति कितनी जागरुक है और उनकी देखभाल के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही है, परन्तु यहां तो गोवंशीय पशु को कोई देखने बाला ही नही एक दिन पूर्व मृत गोवंश को कोई दफनाने वाला ही नहीं। इसकी जानकारी गांव निवासी पप्पू ने सचिव को अवगत भी कराया तो उन्होंने कहा कि अपने आप दफना दो गांव में मृत पडे गोवंशीय पशु को कुत्ते नोंच कर खा रहे है और पूरे मौहल्ले में बदबू फैल रही है परन्तु उसको उठाने बाला कोई नही। इसी क्रम में गांव वालों ने गंदगी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया उनका कहना है कि हमारे मौहल्ले में सफाई कर्मी नही आता गंदगी से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है इस संबंध में हमने सफाई कर्मचारी से लेकर ग्राम प्रधान व सचिव सभी से शिकायत व निवेदन किया परन्तु किसी भी समस्या का समाधान नहीं हुआ।

क्या कहना है ग्रामीणों का

मृत गोवंश पशु की और सफाई को लेकर हमने संबंधित को सूचना भी दी परन्तु कोई संतोषजनक जवाब नही दिया, गोवंश को कहा स्वयं दफना दो और अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लियाः- पप्पू सागर ग्रामीण हमारे मौहल्ले में सफाई कर्मचारी आता ही नही है सभी नालिया बंद पडी है और गंदगी फैली हुई हैः- रामफल ग्रामीण शिकायत करते करते थक गई सभी रास्तों पर कीचड़ फैला हुआ है हमने सचिव व प्रधान से कहा कि नाला बनवा दो जिससे गंदगी न फैले और गांव का गंदा पानी निकल जाये, अगर यही हाल रहा तो इस गंदगी से कोई भीषड़ बीमारी जन्म ले सकती हैः भूशंकर ग्रामीण। हमारे गली में सफाई करने बाला कोई नही आता हम स्वयं ही सफाई करते हैं जबकि सरकार से सफाई करने का पैसा सफाई कर्मचारी लेता है परन्तु सफाई नही करताः पीतम ग्रामीण।

नगर पालिका की सफाई व्यवस्था को लेकर की गई चर्चा

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद गढ़मुक्तेश्वर और आईटीसी मिशन सुनहरा कल फोर्स संस्था के संयुक्त तत्वाधान में नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत नक्का कुआं गणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर में इस्कॉन टेंपल प्रचार प्रसार समिति के सदस्यों के साथ स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगर पालिका की सफाई व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। जिससे सफाई के प्रति उन्होंने नगर पालिका के कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद गढ़मुक्तेश्वर और आईटीसी मिशन सुनहरा कल की टीम व नगर पालिका सेनेटरी इंस्पेक्टर सुभाष सिंह, वार्ड सफाई नायक विजय कुमार और शंकर लाल, संजय यादव गौरक्षक, एमआरएफ संचालक सुरेश मेहरा, आईटीसी मिशन सुनहरा कल की टीम से क्लस्टर सुपरवाइजर मनोज कुमार और नगरवासी उपस्थित रहे।

भाकियू शंकर ने डीएम को सौंपा 8 सूत्रीय मांगपत्र

मंगलवार को एसडीएम धनौरा कार्यालय पर होगा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन

धनौरा (सब का सपना) कविंद्र सिंहः- भाकियू शंकर ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय अमरोहा पर प्रदर्शन करते हुए किसान समस्याओं को लेकर 8 सूत्रीय मांगपत्र डीएम को सौंपा है। जिसमें सभी समस्याओं के त्वरित निस्तारण की मांग की गई है। भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हसनपुर नगर में अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर को बंद करने के अभियान में सही मानक के भी अल्ट्रासाउंड को बंद कर दिया गया है, जिस कारण हसनपुर क्षेत्र के मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करते हुए इलाज के लिए दूसरी शहरों में जाना पड़ रहा है । जिन अल्ट्रासाउड केन्दो पर डॉक्टर समेत सभी मानक ठीक है उनको मरीजों के हित के लिए चालू कराया जाए। भारत सरकार ने 1 अप्रैल 2025 से किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट को बढ़ाते हुए 5 लाख कर दिया गया है, परंतु उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की लगभग 4600 शाखाओ में अभी यह पूर्ण रूप से लागू नहीं किया गया है, जिस कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है, केसीसी बनाए जाने में टालमटोल किया जाता है ओर केसीसी की सब्सिडी भी नहीं आई है तहसील स्तर के भ्रष्टाचार को समाप्त करते हुए किसानों के सभी तरह के कार्य जैसे वरिसानदर्ज होना, आय ,जाति,निवास प्रमाण पत्रों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें सुधार होने जरूरी है। संगठन विद्युत निजीकरण का विरोध करता है, स्मार्ट मीटर में तकनीकी रूप से खामियां हैं अतः इनको न लगाया जाए। घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के करीब आधे मीटर गलत गणना कर अधिक बिल निकालकर उपभोक्ताओं की आर्थिक रूप से कमर तोड़ रहें हैं, इसके लिए एक अभियान चलाते हुए इनको तत्काल बदलवाया जाए। साथ ही विधुत विभाग में फैले भृष्टाचार पर भी तत्काल रूप से रोक लगाई जाए।

मध्य गंगा नहर फेस टू सिंचाई परियोजना मुरादाबाद मंडल के 5 लाख किसानों को संजीवनी साबित हुई है , परंतु पानी न आने से किसानों में भारी रोष है तत्काल मुख्य ब्रांच में पानी छोड़ा जाए। जनपद के गन्ना किसानों का अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान लगभग 55 करोड़ 15% ब्याज सहित तत्काल दिलाया जाए अन्यथा की दशा में संबंधित चीनी मिलों पर सख़्त वैधानिक कार्रवाई की जाए। तहसील क्षेत्र में हजारों एकड़ सरकारी जमीन पर भू-माफियाओं ने कब्जा कर रखा है, जिसे चिन्हित करते हुए कब्जा मुक्त कराया जाए, ओर इस जमीन पर गौशालाओं का निर्माण कराया जाए जिस से आवारा गौवंश को आश्रय मिल सके,इसके साथ ही इन जमीनों पर वृक्षारोपण कराते हुए प्रशासन द्वारा प्राकृतिक खेती की शुरूआत की जानी चाहिए। मध्य गंगा नहर फेस टू का कार्य पूर्ण कर तत्काल पानी छोड़ा जाए। तहसील क्षेत्र में गांव के क्षतिग्रस्त सड़कों व संपर्क मार्ग को सही कराया जाए। तहसील हसनपुर क्षेत्र में विगत 2 वर्षों से लगातार खूंखार कुत्तों का आतंक बना हुआ है, जिसकी वजह से कई दर्जन व्यक्तियों की जान जा चुकी है, आज तक इनका समुचित प्रबंध नहीं किया जा सका है, तत्काल खूंखार कुत्तों के आतंक से इंसानों को बचाया जाए। जनपद में चोरों और तेंदुए के आतंक के चलते असलाधर को 25-25 कारतूस आधार कार्ड व लाइसेंस देखकर कर दिए जाएं एवं इन्हें अनावश्यक परेशान न किया जाए। उक्त सभी समस्याओं के समाधान को कल 15 जुलाई दिन मंगलवार को धनौरा उप जिला अधिकारी कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा, पंचायत में दोपहर 2:00 बजे तक अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड गजरौला ,मुख्य अभियंता विद्युत परिक्षेत्र अमरोहा गजरौला, जिला गन्ना अधिकारी, अधिशासी अभियंता मध्य गंगा नहर फेस टू ,उप जिला अधिकारी धनोरा, तहसीलदार धनोरा ,वन प्रभागिय अधिकारी अमरोहा, क्षेत्रीय मैनेजर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक गजरौला, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अमरोहा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमरोहा, यूनिट हेड एसपी तोमर वेव शुगर मिल धनौरा, एचआर हेड अर्पण आनंद वेव धनोरा,का धरना स्थल में पहुंचकर किसानों से संवाद कराया जाना नितांत आवश्यक है । अन्यथा संगठन मजबूर होकर धरना- प्रदर्शन व आंदोलन करने को बाध्य होगा जिसकी जिम्मेदारी पूर्ण रूप से शासन व प्रशासन की होगी। इस दौरान चौधरी धर्मवीर सिंह, नेमपाल सिंह,चौधरी वीरेंद्र सिंह प्रधान, राजपाल सिंह,बबिता रानी, अशोक चौधरी,जरीना, मंजू शर्मा,सुखवीर सिंह,शेर सिंह राणा,विक्रम पंवार,चंद्रपाल सिंह, अंकित चौधरी, गजराम सिंह,राजवीर सिंह,सुनील कुमार,मोनू चौधरी,जगत सिंह चौहान, मोनू,मतलूराम प्रधान, मोहम्मद अख्तब व सुशील कुमार समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फसल की क्षतिपूर्ति हेतु किसान भाई कराएं फसल बीमा

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- उप कृषि निदेशक सत्येंद्र कुमार ने कहा कि जनपद के समस्त किसान भाईयों हेतु प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अतंर्गत वित्तीय- 2025-26 के लिए इफको टोक्यो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड को नामित किया गया है। खरीफ मौसम-2025 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। धान की फसल के लिए बीमित धनराशि अंकन रू0 79600.00 प्रति हे० के सापेक्ष 2 प्रतिशत कृषक अंश प्रीमियम धनराशि अंकन रू० 1592.00, के दर पर बीमा निर्धारित है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदा ओलावृष्टि, भू-स्खलन, बेमौसम / चकवाती वर्षा, आकाशीय बीजली से उत्पन्न आग व चकवात से फसलों में हुई क्षति, फसल कटाई उपरान्त अगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाई हेतु रखी गयी फसल को ओलावृष्टि, चकवाती वर्षा / बेमौसम बारिश से क्षति की सूचना 72 घण्टे के अन्दर टोल फ्री नम्बर-14447 पर करना अनिवार्य है। उन्होंने जनपद के समस्त कृषकों से अपील की है कि आप अधिक से अधिक संख्या में खरीफ फसलों का बीमा कराने का कष्ट करें, ताकि प्राकृतिक आपदा फसलों की क्षति की स्थिति में फसलों क्षति की प्रतिपूर्ति प्राप्त होने से आपकी आय स्थिर बनी रहें। बीमा कराने के लिए नियम व शर्ते की अधिक जानकारी के लिए चन्द्रलोक कुमार, जनपदीय प्रतिनिधि फसल बीमा कम्पनी के दूरभाष 7309150856 अथवा कार्यालय, जिला कृषि अधिकारी अमेठी सदस्य / सचिव, फसल बीमा योजना में किसी भी कार्य दिवस में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

हापुड़ डीएम के खिलाफ धरने पर बैठे लेखपाल, सहकर्मी की मौत से आहत कर्मचारियों ने चारों तहसीलों में रोका कामकाज

हापुड़ः हापुड़ में लेखपाल सुभाष मीणा की संदिग्ध हालात में हुई मृत्यु से क्षुब्ध होकर सोमवार को गौरीगंज, अमेठी, तिलोई और मुसाफिरखाना तहसीलों में लेखपालों ने कार्य बहिष्कार कर धरना दिया। लेखपाल संघ ने घटना को अमानवीय प्रशासनिक रवैये का परिणाम बताया और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग दोहराई। साथ ही हापुड़ के डीएम को भी आड़े हाथों लिया। लेखपालों ने सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक कामकाज ठप रखा। गौरीगंज तहसील में संघ के अध्यक्ष कुलदीप यादव ने कहा कि कुछ अधिकारियों में प्रचार की ललक के कारण अधीनस्थों के साथ दुर्व्यवहार की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे कर्मचारी मानसिक दबाव में हैं। आरोप लगाया कि ग्राम चौपाल में ग्रामीण की शिकायत पर जिलाधिकारी ने लेखपाल सुभाष मीणा को सुने बिना अपमानित कर बाहर निकाल दिया। उपजिलाधिकारी से भी उन्हें कोई सहारा नहीं मिला। इससे व्यथित होकर सुभाष ने तहसील परिसर में विषाक्त पदार्थ खा लिया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने एक जिलाबदर अभियुक्त किया गिरफ्तार

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना मुंशीगंज पुलिस द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अशोक यादव पुत्र रामचन्द्र यादव निवासी ग्राम सीवनगांव मजरे पनियार थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । खबर लिखे जाने तक अभियुक्त पर थाना मुंशीगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही थी।

पूर्व दशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विकास मौर्या ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार द्वारा संचालित पूर्ववशम छात्रवृत्ति (9-10) एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12) हेतु छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा समय सारिणी निर्गत कर दी गई है' निर्गत समय सारणी के अनुसार 01 जुलाई, 2025 से 05 अक्टूबर 2025 तक शैक्षिणिक संस्थानों द्वारा छात्रवृत्ति मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने सम्बन्धी कार्यवाही पूर्ण करना।02 जुलाई, 2025 से 15 अक्टूबर 2025 तक विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेन्सी/ जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा संस्थान की मान्यता, पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार, सीटों की संख्या एवं फीस आदि का ऑनलाइन डिजिटली सत्यापन / लॉक किया जाना। (शैक्षणिक संस्थान/जिला विद्यालय निरीक्षक / एफिलिएटिंग एजेन्सी / विश्वविद्यालय स्तर) 02 जुलाई, 2025 से 30 अक्टूबर 2025 तक छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करते हुए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन किया जाना तथा आवेदन का फाइनल प्रिन्ट आउट प्राप्त कर वांछित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्थान में जमा किया जाना तथा 06 नवम्बर, 2025 तक विद्यालय द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करना अनिवार्य है।

सरकार की अराजकता के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहूंगा:- प्रदीप सिंघल

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- सनातन धर्म में काशी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है यह ऐसा पवित्र स्थान है जो प्रदेश ही नहीं अपितु सम्पूर्ण देशवासियों के आस्था व विश्वास का प्रतीक है। काशी जैसे धार्मिक मान्यता वाले शहर में आम जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। सामान्य दिनों को छोड़िये सावन के इस पवित्र मास में भी श्रद्वालुओं की सुविधा का कोई इंतजाम नहीं किया गया है। भाजपा की डबल इंजन सरकार फर्जी विकास का ढिंढोरा पीटती है और सिर्फ लुभावने नारे तक सीमित है। जनप्रतिनिधियों द्वारा आम जनता की तकलीफों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने पर दमनात्मक कार्यवाही की जा रही है और फर्जी मुकदमा दर्ज करवाकर लोकतंत्र को कुचलने का काम किया जा रहा है। जिसका ताजा उदाहरण दिनांक 10 जुलाई 2025 को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मा0 अजय राय जी पूर्व मंत्री के नेतृत्व में वाराणसी के जिला एवं शहर अध्यक्ष सहित 10 कांग्रसेजनों के खिलाफ दर्ज कराया गया फर्जी मुकदमा है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी प्रदेश सरकार के इस अन्यायपूर्ण और अलोकतांत्रिक कार्यवाही का प्रतिकार करती है। महामहिम जी, जनप्रतिनिधियों का एक प्रमुख कार्य जनता की परेशानियों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराकर उससे निजात दिलाना है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ वाराणसी के जिला एवं शहर अध्यक्ष सहित तमाम कांग्रेसजनों ने वाराणसी में जलभराव, ध्वस्त सीवर, पीड़ित दुकानदार, रोपवे, जाम से परेशान जनता, कांवर यात्रियों की समस्याओं के निराकरण हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु पदयात्रा निकाल रहे थे, जिस पर प्रदेश सरकार के इशारे पर वाराणसी के सिगरा थाने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री सहित 10 कांग्रेसजनों पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। प्रदेश सरकार की संवैधानिक मुखिया होने के नाते हम सभी कांग्रेसजन आपसे निवेदन करते हैं आप अविलम्ब अपने स्तर से हस्तक्षेप करते हुए दिनांक 10 जुलाई 2025 को वाराणसी के सिगरा थाने में दर्ज फर्जी एफआईआर को रद्द कराने हेतु प्रदेश सरकार को निर्देशित करने की कृपा करें एवं श्रावण माह में श्रद्वालुओं की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्था कराने का भी निर्देश जारी कराने की कृपा करें। ज्ञापन जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप सिंघल की अगुवाई में न्यायिक मजिस्ट्रेट मो. असलम को ज्ञापन सौंपा गया। जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के अलोक तांत्रिक रवैया के खिलाफ कांग्रेस लोकतान्त्रिक तरीके से सदैव लड़ाई लड़ी है और लड़ती रहेगी। कार्यक्रम में प्रभारी फरहान वारसी,परमानंद मिश्रा,प्रवक्ता अनिल सिंह,वीरेंद्र मिश्रा,रमाकांती राजीव सिंह,अशोक शुक्ला,राम मनोहर,क्लावती मौर्य,मो मतीन,ममता पाण्डेय,अजीत यादव, सुनील कुमार सिंह, अरविंद चतुर्वेदी, हनुमंत विश्वकर्मा,कुलवंत सिँह, काशी प्रसाद,रामदत्त यादव, वीरेंद्र मिश्र,राम प्रसाद गुप्ता, अजहरुल हक, इकबाल, शिवदर्शन पासी, महावीर कोरी, राजीव लोचन,मजीद अहमद,दया राम सोनी,गीता सिंह, बृजेन्द्र लोहा,सहित सैकड़ों कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

वृक्ष मनुष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण:- आर के माहेश्वरी

जगदीशपुर /अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- वृक्ष मनुष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो हमारे शरीर के लिए अधिक उपयोगी है। वृक्षों से हमारे जीवन के लिए ऑक्सीजन प्राप्त होता है तथा हमें अनेक प्रकार के फल खाने को मिलता है तथा औषधि भी मिल जाती है साथ साथ वृक्ष धरती का श्रंगार है। उक्त बातें सेंटर आफ टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सीटेड के निदेशक इंजीनियर संजय सिंह द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में ५०० पौधे लगाने के दौरान कही गयी। ज्ञात हो की प्रशासन ने पौधरोपण करने के लिए विभिन्न संस्थाओ से अपनी रूचि दिखाते हुए औद्योगिक क्षेत्र में पौधरोपण लगाकर शुरूआत की। इस अवसर पर माहेश्वरी हर्बल एंड एरोमेटिक प्लांट्स से आये इंजीनियर आर के माहेश्वरी ने बताया कि हमारा लक्ष्य प्रथम चरण में 500 वृक्षों को जन-जन तक पहुंचना है ताकि उनमें वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता हो और प्रकृति का संतुलन भी बना रहे। उन्होंने भागीदारी करने वाले सभी उद्यमी जनो को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। महा प्रबंधक सीटेड, राकेश शुक्ला ने आगे कहा कि पर्यावरण एवं प्रकृति को बचाने के लिए वृक्षारोपण अपनाना समय की माहिती आवश्यकता है प्रत्येक भारतवासी इस कार्यक्रम से जुड़ना चाहिए एवं एक पेड़ मां के नाम भी लगाना चाहिए । सहायक महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने कहा की व्यक्ति के जन्म दिवस आदि अवसरों पर भी वृक्ष भेंट करने की परंपरा होनी चाहिए। इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक उदयनाथ मिश्रा भीष्म प्रताप सिंह, सागर सुमन ,विकेश तिवारी, अंकित कुमार, मुकेश कुमार ,जगन्नाथ एवं समस्त स्टाफ ने पौध रोपण किया। लव कुश बाजपेई ,अंकित कुमार, मुकेश कुमार ,जगन्नाथ एवं समस्त स्टाफ ने पौध रोपण किया।

आई0टी0आई0 गौरीगंज में आयोजित रोजगार मेले में 239 अभ्यार्थियों का किया गया चयन

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य विवेक कुमार ने बताया कि जनपद के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गौरीगंज में आज एक वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 882 अभ्यर्थियों सहित 11 कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस क्रम में उन्होंने बताया कि उक्त आयोजित रोजगार मेले में कम्पनियों ने उपस्थित समस्त अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया तथा साक्षात्कार प्रक्रिया के उपरान्त 239 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस दौरान उक्त आयोजित वृहद रोजगार मेले में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य डॉ0 विवेक कुमार, सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी, प्रधानाचार्य अमेठी एम0पी0 सिंह, प्रधानाचार्य जायस शिवाकान्त दूबे सहित जिला प्रबन्धक कौशल विकास मिशन के संदीप सिंह व विवेक दूबे उपस्थित रहे।

दो माह में सिर्फ 14 चालकों की हुई भर्ती 51 पद अभी भी रिक्त

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- यूपी रोडवेज (परिवहन निगम) में चालकों की कमी से ग्रामीण इलाकों में बसों का संचालन अब भी अटका हुआ है। करीब दो महीने पहले निगम ने मिनी बसों के संचालन के लिए संविदा पर 65 चालकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन अब तक केवल 14 चालकों का चयन हो पाया है। बाकी 51 पद अब भी खाली हैं, जिससे विभाग की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। फिलहाल डिपो के बेड़े में निगम की 55 और तीन अनुबंधित बसें शामिल हैं। इनमें 15 नियमित और 69 संविदा चालक कार्यरत हैं। नियमित 15 चालकों में से भी छह चालक बस चलाने योग्य नहीं हैं। ऐसे में 78 चालक ही डिपो पर बसें चला रहे हैं, जबकि चालक की कमी के कारण 30 से अधिक बसें खड़ी हैं। इससे डिपो को प्रतिदिन करीब एक लाख रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं, अगले माह 20 नई मिनी बसें निगम को मिलने वाली हैं। ऐसे में चालकों की कमी की समस्या और गंभीर हो जाएगी। निगम ने चालक और परिचालक की कमी को दूर करने के लिए संविदा चालकों से आवेदन मांगे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सभी पद भर जाने के बाद न सिर्फ जिले, बल्कि आस-पास के जिलों में भी बसों का संचालन सुचारु रूप से हो सकेगा। चालकों की कमी का असर तिलोई, बाजार शुक्ल, बहादुरपुर, त्रिसूंदी, बड़गांव, विशेषरगंज सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में पड़ रहा है, जहां फिलहाल बसों का संचालन पूरी तरह ठप है।

जागेश्वरनाथ धाम में 5 हजार लीटर का आरओ प्लांट बना शोपीस आठ महीने से बंद-

अमेठी(सब का सपना) आदित्य बरनवालः- सोमवार को मंदिर मे आये श्रद्धालुओं ने कहा कि अमेठी के प्रसिद्ध जागेश्वरनाथ धाम में श्रद्धालुओं के लिए लगाया गया 5 हजार लीटर क्षमता वाला आरओ प्लांट अफसरों की लापरवाही की भेंट चढ़ गया है। पिछले आठ महीने से प्लांट की मोटर खराब है, जिससे पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी है। मंदिर परिसर में लगाए गए नल भी उखड़ चुके हैं और जीर्ण-शीर्ण स्थिति में पहुंच गए हैं। मंदिर के पुजारी श्रवण नाथ मिश्र और स्थानीय लोगों ने कई बार प्लांट की मरम्मत के लिए शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जबकि सावन का महीना शुरू हो चुका है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। दरअसल, अमेठी के पिंडोरिया ग्राम सभा स्थित जागेश्वरनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए करीब एक साल पहले लाखों रुपये की लागत से जिला पंचायत निधि से 5 हजार लीटर क्षमता का आरओ प्लांट लगाया गया था। हालांकि, कुछ ही महीनों में प्लांट की मोटर जल गई, जिससे पानी की आपूर्ति बंद हो गई। पानी की सप्लाई ठप होने के चलते मंदिर में जलाभिषेक करने आने वाले श्रद्धालुओं को पीने के पानी के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। श्रद्धालुओं और पुजारियों ने अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि इतनी बड़ी परियोजना पर लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद किसी ने इसकी सुध नहीं ली। श्रवण नाथ मिश्र ने बताया,कुछ दिन सब कुछ ठीक था, लेकिन कुछ ही महीनों में प्लांट खराब हो गया। इसकी शिकायत कई बार की गई, पर किसी अधिकारी ने ध्यान नहीं दिया। अब सावन के महीने में श्रद्धालु पानी के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। वहीं, मंदिर में जलाभिषेक करने आए एक श्रद्धालु ने कहा,5 हजार लीटर क्षमता का यह प्लांट लगाया गया था, लेकिन कुछ ही दिनों में खराब हो गया। अब भारी भीड़ के बीच लोगों को पानी पीने के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और पानी की समस्या को देखते हुए स्थानीय लोग आरओ प्लांट की तत्काल मरम्मत की मांग कर रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को राहत मिल सके।

महादेव के जलाभिषेक को शिवालयों में उमड़ें श्रद्धालु, पूजा अर्चना कर भगवान भोले का लिया आशीर्वाद

चारों तरफ बम भोले की गूंज से भगवामय हुआ बदायूं,उझानी कछला मार्ग

बदायूं (सब का सपना) एसपी सैनीः- सावन माह के पहले सोमवार को भोलेनाथ के भक्त जलाभिषेक करने के लिए शिवालयों की ओर उमड़ पडे। भोर से ही भगवान शंकर के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए शिवालयों में भक्तों का तांता लग रहा जो देर शाम तक जारी रहा। मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे ।सावन माह के पहले सोमवार को भोर से ही शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु उमड़ने लगे। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में हर हर, बम बम, हर-हर महादेव और ऊं नमः शिवाय के जाप के बीच जलाभिषेक किया। सावन माह के प्रथम दिन सोमवार को हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया।

श्रद्धालुओं ने जल, दूध, बेलपत्र, पुष्प, शमी, भांग, धतूरा आदि के साथ जलाभिषेक व पूजन-अर्चन कर मनवांछित फल की कामना की। यह सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। धार्मिक मान्यता है कि सावन के सोमवार को भगवान शिव के दर्शन, जलाभिषेक एवं पूजा करने से भक्तों पर महादेव की विशेष कृपा रहती है। अपने आराध्य महादेव का आशीर्वाद एवं कृपा पाने के लिए श्रद्धालु ब्रह्म मुहूर्त से लेकर देर रात तक शिव मंदिरों में दर्शन एवं पूजा के लिए उमड़ पड़े। वजीरगंज्बदायूँ मुरादाबाद एमएफ हाईवे मार्ग पर वजीरगंज व नदवारी गांव के बीच स्थित प्राचीन सिद्ध बाबा भोले नाथ धाम मंदिर समेत अन्य शिवालयों में लोगों ने दर्शन-पूजन किया। प्राचीन मंदिर के विशाल शिवलिंग पर सावन माह के प्रथम दिन सोमवार को हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने जल, दूध, बेलपत्र, पुष्प, शमी, भांग, धतूरा आदि के साथ जलाभिषेक व पूजन-अर्चन कर मनवांछित फल की कामना की। महिलाओं व युवतियों ने व्रत रखकर धूप, दीप अर्पित किए। मान्यता है कि सावन माह में भोलेनाथ का जलाभिषेक तथा पूजन के साथ रुद्राभिषेक, श्रृंगार, पूजा आदि करने से मनवांछित फल प्राप्त होता है। उझानीक्षेत्र के बुर्रा फरीदपुर के प्राचीन शिव मंदिर, बिजली घर के महाकालेश्वर मंदिर, पुरानी अनाज मंडी के शिव मंदिर, बिल्सी रोड के बड़े महादेव मंदिर, सहित सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने देवों के देव महादेव की पूजा एवं आराधना कर जलाभिषेक किया। वही सहसवान नगर एवं देहात क्षेत्र में भी भक्त जनों ने भगवान शिव की पूजा अर्चना की एवं जल अभिषेक किया!

कछला गंगा घाट पर स्नान के दौरान गंगा में डूबा कांवड़िया, तलाश में जुटे गोताखोर

हाथरस जिले से जत्थे के साथ कछला घाट पर गंगाजल भरने आया था कांवड़िया

बदायूं (सब का सपना) एसपी सैनीः- कछला घाट पर गंगा में स्नान करते समय एक कांवड़िया डूब गया।गोताखोर उसकी तलाश में जुटे हैं।हाथरस जिले से जत्थे के साथ गंगाजल भरने आए कांवड़िये रविवार रात करीब एक बजे गंगा स्नान कर रहे थे।इसी दौरान पानी के तेज बहाव में एक कांवड़िया बह गया। उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। सूचना पर परिवार के लोग भी गंगा घाट पर पहुंच गए। कांवड़िया अंकित ने बताया कि हाथरस के थाना चंदपा क्षेत्र के गांव भगना निवासी करीब 25 लोग डाक कांवड़ लेकर कछला गंगाघाट पर रविवार शाम को आए थे।सभी कांवड़िये रात करीब एक बजे गंगा स्नान कर घर लौटने की तैयारी कर रहे थे। गंगा में नहाने के दौरान अभिषेक (18) पुत्र सचिन डूबकर लापता हो गया। घटना के बाद कांवड़िये रात में कछला चौकी पहुंचे और मामले की सूचना दी।जिस पर चौकी इंचार्ज ने रात में ही गोताखोरों को भेजा और तलाश कराई, लेकिन अभिषेक का पता नहीं चला।रात में खबर मिलते ही अभिषेक के पिता व अन्य परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए।परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सावन के पहले सोमवार को जमकर बरसे बदरा, मौसम हुआ सुहावना; जलभराव ने फिर बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में सावन के पहले सोमवार यानी आज सुबह से झमाझम बारिश हो रही है। जहां बारिश से लगातार गर्मी से राहत मिल रही है तो वहीं कई जगहों पर जलभराव होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उधर, सुबह के समय बारिश होने से लोगों को ऑफिस पहुंचने में भी दिक्कत हो रही है। क्योंकि, सड़कों पर जलभराव होने से सड़कों पर जाम लग जाता है, जिस वजह से वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ते हैं। बता दें कि रविवार को दिन भर बादलों की लुकाछिपी चलती रही तो बीच बीच में धूप भी निकली रही। उमस थी, लेकिन थोड़ी कम। शाम के समय अचानक मौसम बदला और तेज हवा के साथ दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में हल्की वर्षा शुरू हो गई। इसका असर यह देखने को मिला कि दिन में जहां मौसम विभाग ने कोई अलर्ट जारी नहीं कर रखा था, वहीं शाम को एकाएक रेड अलर्ट जारी कर दिया। बताया गया कि रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री कम 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.2 डिग्री कम है। हवा में नमी का स्तर 98 से 67 प्रतिशत रहा। हवा की अधिकतम रफ्तार 57 किमी प्रति घंटा रही। वहीं, मौसम के इस बदलाव से उमस थोड़ी कम हुई तो तापमान में भी गिरावट बरकरार रही। मौसम विभाग ने अपने नए पूवार्नुमान में कहा है कि दक्षिण-पूर्व से आ रहे बादलों के समूह के कारण दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। सोमवार के लिए विभाग ने पूरे शहर में बादल छाए रहने और मध्यम वर्षा का अनुमान लगाया है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 33 और 26 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने की उम्मीद है।

दिल्ली के इस अस्पताल में शुरू होगी नई सुविधा, मरीजों की बड़ी टेंशन होगी दूर

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आरएमएल अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी की मशीन लगेगी। अस्पताल प्रशासन ने रोबोटिक मशीन खरीदने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसलिए पांच से छह महीने में आरएमएल अस्पताल के यूरोलाजी विभाग के ऑपरेशन थियेटर (ओटी) में रोबोटिक मशीन लग जाएगी। इससे अगले वर्ष के शुरूआत में इस अस्पताल में भी मरीजों को रोबोटिक सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधा मिलने लगेगी। डॉक्टर बताते हैं कि रोबोटिक सर्जरी के दौरान मरीज को बड़ा चीरा लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। इसके अलावा रोबोटिक सर्जरी में 3डी तकनीक इस्तेमाल होती है। इससे मरीज के अंग के जिस हिस्से की सर्जरी करनी होती है डॉक्टर को ज्यादा साफ दिखाई देता है। सर्जरी होगी ज्यादा सटीक साथ ही सर्जरी के दौरान रोबोटिक आर्म शरीर के उस हिस्से के पास भी आसानी से पहुंच जहां डॉक्टर के लिए हाथ से सर्जरी करना आसान नहीं होता। इससे रोबोटिक मशीन से सर्जरी ज्यादा सटीक होती है। सर्जरी के दौरान रक्तस्त्राव कम होने से मरीज जल्दी ठीक हो जाते हैं। इससे कम समय में मरीज को अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है। इससे अस्पतालों में सर्जरी अधिक हो सकती है। यही वजह है कि रोबोटिक सर्जरी की सुविधा बढ़ रही है। खास तौर पर बड़े निजी अस्पतालों में इस तकनीक का इस्तेमाल अधिक हो रहा है। सरकारी क्षेत्र के अस्पतालों में अभी रोबोटिक सर्जरी की सुविधा अभी कम है। दिल्ली में अभी चार सरकारी अस्पतालों में रोबोटिक मशीनें उपलब्ध है। इसमें एम्स, सफदरजंग अस्पताल, राष्ट्रीय क्षय रोग और श्वसन रोग संस्थान और दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान शामिल है। दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान में डॉक्टरों की कमी के कारण यह मशीन सर्जरी के लिए खास इस्तेमाल नहीं हो पा रही है। ऐसे में एम्स, सफदरजंग अस्पताल व राष्ट्रीय क्षय रोग और श्वसन रोग संस्थान में ही मरीजों को रोबोटिक सर्जरी की सुविधा ठीक से मिल पा रही है। इन तीनों अस्पतालों के अलावा आरएमएल राष्ट्रीय राजधानी में स्थित केंद्र सरकार का चौथा अस्पताल होगा जहां मरीजों को रोबोटिक सर्जरी की सुविधा मिल सकेगी। आरएमएल अस्पताल के सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक में रोबोटिक मशीन लगेगी।

थाने की बिल्डिंग से लगाई छलांग, 5 दिन की रिमांड पर था शातिर; लाखों की लूट का है मामला

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में सुभाष प्लेस थाने की पहली मंजिल से पुलिस हिरासत से भागने के दौरान लूट के आरोपी ने छलांग लगा दी। जिससे वह घायल हो गया। घायल को पुलिस ने तुरंत पीतमपुरा स्थित भगवान महावीर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे आरएमएल अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इलाज के बाद आरोपी को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आरोपी को लूट मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसे पांच दिन की रिमांड पर लेकर लूट की बाकी रकम को लेकर पुलिस पूछताछ कर रही थी, तभी आरोपी ने भागने की कोशिश की और छत से छलांग लगा दी। आरोपी के खिलाफ पुलिस हिरासत से भागने के मामले में भी

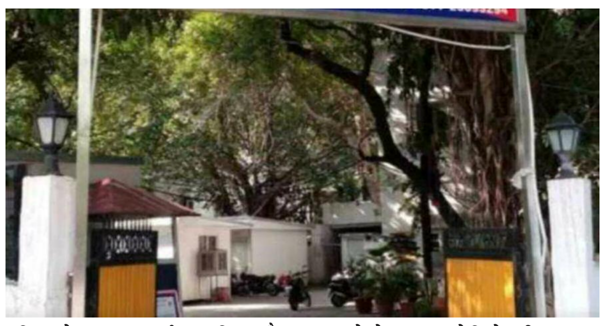

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 4.5 लाख रुपये की लूट के संबंध में थाना सुभाष प्लेस पुलिस को जानकारी मिली थी। पीड़ित किराड़ी निवासी भारत भूषण के बयान पर 21 मार्च को बीएनएस की धारा-309(4),309(6) व 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया। इस मामले में चार आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटे के बाद तीन आरोपी रोशन, आशीष और गणेश शा को गिरफ्तार कर लिया। जिनसे लूट की रकम 02 लाख 52 हजार रुपये बरामद किए गए। जबकि चौथा आरोपी सौरभ अहमद फरार था। फरार आरोपी सौरभ अहमद को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 23 जून को उत्तर प्रदेश के जिला मऊ से गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पांच जुलाई को पहचान परेड करवाने के कुछ दिनों बाद पुलिस ने उसे पांच दिन की रिमांड पर लिया। 11 जुलाई को थाना सुभाष प्लेस में पूछताछ के दौरान, आरोपी सौरभ ने पहली मंजिल से कूदकर भागने का प्रयास किया। उसे तुरंत भगवान महावीर अस्पताल ले जाया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए आरएमएल अस्पताल रेफर कर दिया गया। आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा-262 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। जिसे 12 जुलाई को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

दर्दनाक: 45 फीट ऊंचे पिलर से गिरकर मजदूर की मौत, खौफनाक मंजर देख कांप उठे लोग

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली में ओखला हेड पर निमार्णाधीन दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर फ्लाईओवर का स्पैन उठाने के दौरान जैक फिसकर पिलर पर काम कर रहे मजदूर के सिर पर जा लगा, जिससे वह करीब 45 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गया। घटना के बाद उसे होली फैमिली अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सुल्तानपुरी, दिल्ली निवासी 29 वर्षीय सचिन उर्फ धारा के रूप में हुई है। जामिया नगर थाना पुलिस ने सेल मैक कंपनी के साइट इंजीनियर और कंपनी निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने

बताया कि सचिन उर्फ धारा दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे पर निर्माण कार्य कर रही कंपनी सेल मैक कंस्ट्रक्शन कंपनी के लिए मजदूरी करता था। मूलरूप से बुलंदशहर के बिरोंडी ताजपुर निवासी सचिन शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे जामिया नगर इलाके से गुजरने वाले एक्सप्रेस-वे के पिलर नंबर 88 पर 45 फीट ऊपर जैक से स्पैन ऊपर उठा रहा था। वहीं, दोपहर करीब 1.13 बजे पिलर पर काम करते समय जैक फिसल कर सचिन के सिर पर आ लगा। घटना के समय सचिन ने हेलमेट पहन रखा था, मगर अचानक सिर पर जैक लगने के कारण वह अपना संतुलन नहीं बना पाया और 45 फीट ऊंचे पिलर से नीचे सड़क पर आ गिरा। गंभीर रूप से घायल सचिन को वहां मौजूद उसके सहयोगी होली फैमली अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सचिन के शव को कब्जे में लेकर उसके स्वजन को हादसे की सूचना दी। सचिन के साथ ही काम करने वाले उसके पड़ोसी इस्तफार ने बताया कि सचिन का एक बड़ा भाई नीटू है, जोकि दिव्यांग है। इनके माता-पिता की काफी समय पहले ही मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद दोनों भाइयों को इनकी ताई ने पाल पोस कर बड़ा किया। रविवार को सचिन के शव का पोस्टमार्टम करवा स्वजन को सौंप दिया गया।

बुझ गया घर का चिराग: 36 घंटे बाद टूट गई मासूम की सांसें, जिगर के टुकड़े का चेहरा देख फूट-फूटकर रोए परिजन

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली में वेलकम थाना क्षेत्र के जनता कॉलोनी में मकान गिरने पर मलबे में दबने से घायल हुए डेढ़ साल के बच्चे अहमद की 36 घंटे के बाद इलाज के दौरान रविवार शाम जीटीबी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसे में मरने वालों की संख्या छह से बढ़कर सात हो गई। बच्चे का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वेलकम थाना पुलिस ने मकान गिरने के मामले में बीट कॉन्स्टेबल की शिकायत पर लापरवाही से मौत, निर्माण कार्य के दौरान बरती गई लापरवाही, किसी

व्यक्ति को चोट पहुंचाने की धारा में केस दर्ज किया है। वहीं, पुलिस को शुरूआती जांच में पता चला है कि मकान में दरार थी और निर्माण मजबूत नहीं था। मकान में कुछ माह पहले तक ड्राइक्लीन का काम भी होता था। पुलिस ने मकान के मलबे के सैंपल एफएसएल जांच के लिए भेजे हैं। रविवार को निगम ने हादसे वाले स्थल से मलबा नहीं हटाया। हादसे में घायल परवेज, इसकी पत्नी शिजा, भाई नावेद व पड़ोसी गोविंद, इसकी पत्नी दीपा, बेटी ज्योति व दामाद रवि को इलाज के बाद छुट्टी दे दी। परिवार ने बताया कि हादसे में परवेज के बेटे अहमद के सिर व हाथ पर गंभीर चोट आई थी। जीटीबी अस्पताल में आइसीयू में भर्ती करवाया गया थी, हालत गंभीर होने पर वेंटिलेटर पर रखा हुआ था। वहीं, रविवार शाम करीब सात बजे बच्चे की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि बच्चे का पोस्टमार्टम सोमवार को करवाया जाएगा।

दिल्ली में ठग गिरोह का भंडाफोड़, मनोरंजन बैंक के नोटों से की 40 लाख की ठगी; 4 आरोपी गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने नकदी बदलने के बहाने लोगों से ठगी करने वाले एक ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह ने सीआर पार्क थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति से 40 लाख रुपये की ठगी कर उन्हें मनोरंजन बैंक ऑफ इंडिया के नकली नोट थमा दिए थे। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपितों निखिल, प्रिंस पाल, परवेज और असगर खान उर्फ अख्तर खान उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता ने सीआर पार्क थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने संपत्ति खरीदने के लिए 40 लाख जुटाए थे। 4 जुलाई को कुछ लोग उसे मिले, जो खुद को कैश एक्सचेंजर बता रहे थे। एक फ्लैट में ले जाकर नोट गिनने की मशीन से नकद दिखाया और भरोसे में लेकर बैंक ट्रांसफर करा लिया। बाद में जब बैग खोला तो उसमें मनोरंजन बैंक के नकली नोट थे। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह पहले फ्लैट किराए पर लेकर नकली नोटों की व्यवस्था करता था और असली नोटों को दिखाकर विश्वास दिलाता था। पुलिस ने आरोपितों से 1.25 करोड़ रुपये के नकली नोट, कैश काउंटिंग मशीन, 7.5 लाख नकद, 4.5 लाख बैंक खाते में फ्रीज और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपित इसी तरह की ठगी की तीन वारदात कर चुके हैं। पुलिस उनकी जांच कर रही है। सभी आरोपितों से पूछताछ जारी है और उनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

गाड़ी हटाने से मना करने पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, मचा हड़कंप; एक्शन में आई पुलिस

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में आरके पुरम इलाके में शनिवार रात एक खौफनाक घटना सामने आई। सेक्टर-8 स्थित मार्केट में बाइक मैकेनिक गया प्रसाद उर्फ कालू ने पार्किंग विवाद के कारण एक सफाई कर्मचारी राहुल चौहान पर पेट्रोल डाल दिया, इसी बीच कार में राहुल के साथ बैठा उनका एक जानकार सिगरेट पी रहा था, जिससे आग लग गई। आग लगने से राहुल 20 प्रतिशत तक झुलस गया। पुलिस के अनुसार, गया प्रसाद ने कार हटाने को कहा, लेकिन राहुल ने मना कर दिया। इस पर आरोपी ने गुस्से में पेट्रोल डाल दिया। कार में बैठे उनका साथी सिगरेट पी रहा था, जिससे आग लग गई। राहुल के चेहरे और सीना करीब 20 प्रतिशत तक जल गया। घायल को तुरंत ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी गया प्रसाद के खिलाफ बीएनएस की धारा 109(1) के तहत हत्या के प्रयास का मामला मामला दर्ज कर लिया है।

दो स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल से मचा हड़कंप; मौके पर पहुंचे पुलिस अफसर

नई दिल्ली। दिल्ली में चाणक्यपुरी के नेवी स्कूल और द्वारका के सीआरपीएफ स्कूल को बम उड़ाने की धमकी मिली है। वहीं, ई-मेल से दोनों स्कूलों के स्टाफ में हड़कंप मच गया है। बताया गया कि ई-मेल द्वारा धमकी दी गई है। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। बम निरोधक दस्ता की टीम भी मौके पर पहुंची है। बता दें कि अभी तक कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला है। इससे पहले भी ई-मल के जरिए बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं।

हम दर्द से चीखते रहे. वो मदद करने की बजाय कार लेकर भाग गया; दिल्ली में ऑडी चालक ने मचाया कहर

दक्षिणी दिल्ली। वर्ष 1999 में संजीव नंदा की बीएमडब्ल्यू कार से कुचलकर छह लोगों की मौत हुई थी। मुनिरका फ्लाईओवर के नीचे नौ जुलाई को फुटपाथ पर सो रहे लोगों के ऊपर चढ़ने वाली ऑडी क्यू-5 कार ने कुछ हद तक उसकी यादें ताजा कर दी है। बताया गया कि ऑडी कार ने देर रात जो कहर बरपाया उसे याद कर घायल सिहर उठते हैं। आरोपित को जमानत मिलने से उनमें गुस्सा भी है। उनका कहना है कि आरोपित को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। हालांकि, पांच घायलों में चार को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। मुनिरका फ्लाईओवर के नीचे नौ जुलाई की रात ऑडी क्यू-5 कार की चपेट में आकर घायल हुई लाडी के पति स्वामी बार-बार अपनी पत्नी के जल्द ठीक होने के लिए भगवान से प्रार्थना करते रहे। उन्होंने बताया कि हम लोग खाना खाकर रात करीब 12 बजे रोज की तरह फुटपाथ पर सो रहे थे। गहरी नींद में तेज आवाज सुनी और इसके बाद चीख-पुकार मच गई। सामने देखा तो सफेद रंग की ऑडी कार फुटपाथ पर सो रहे लोगों के ऊपर चढ़ गई थी। चालक ने कार रोकी और बाहर निकलकर

फुटपाथ पर लहूलुहान पड़े हम लोगों को देखा, लेकिन मदद करने की बजाय वह कार लेकर भाग गया। इस हादसे में मेरी पत्नी लाडी की पीठ और पसलियों में चोट आई है। उसका आपरेशन हुआ है और अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ रही है। मासूम बेटी को भी काफी चोटें आईं हैं। वहीं दुर्घटना में घायल नारायणी ने बताया कि वे लोग मूलरूप से अलवर, राजस्थान के रहने वाले हैं और यहां फ्लाईओवर के नीचे फूल बेचकर गुजारा करते हैं। नारायणी अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद फ्लाईओवर के नीचे ही आराम कर रही थीं। पास में ही उनका पति राम चंदर और बेटी सुनीता भी थे। दुर्घटना में दोनों को चोटें आईं। अब उनकी हालत में सुधार है। नारायणी ने बताया कि हम लोग रोज के कमाने और खाने वाले हैं। दुर्घटना के बाद दोनों पति पत्नी घायल हैं और अभी काम करना मुश्किल है। दुर्घटना के बाद पुलिस ने हमें अस्पताल में भर्ती करवा दिया था, लेकिन उसके बाद किसी ने कोई सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि आरोपित को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इस मामले में गिरफ्तार उत्सव शेखर को पुलिस ने अगले दिन अदालत में पेश कर दिया था, जिसे जमानत मिल गई थी। बता दें कि नौ जुलाई की रात शराब के नशे में धुत ऑडी कार चालक आदर्श अपार्टमेंट, सेक्टर-तीन, द्वारका निवासी उत्सव शेखर ने मुनिरका फ्लाईओवर के नीचे सो रहे पांच लोग पर कार चढ़ा दी थी, जिसमें पांच लोग घायल हो गए थे।

शुभमन गिल ने इंग्लैंड में बल्ले से मचाया कोहराम, राहुल द्रविड़ का पुराना रिकॉर्ड तोड़ डाला

लॉर्ड्स (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने 13 जुलाई को इंग्लैंड की धरती पर ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का 23 साल पुराना रिकॉर्ड धवस्त किया। गिल इंग्लैंड की धरती पर किसी टेस्ट सीरीज में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में गिल ने 2 रन बनाने के साथ ही ये बड़ा मुकाम अपने नाम किया है।

वहीं शुभमन गिल के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में 3 मैचों की 6 पारियों में अब तक कुल 603 रन बना लिए हैं। दरअसल, साल 2002 में राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ 4 मैचों की सीरीज में 602 रन बनाए थे। इंग्लैंड में भारत के लिए टेस्ट सीरीज में द्रविड़ ही सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय थे, लेकिन अब शुभमन गिल ने केवल तीन मैचों की 6 पारियों में 603 रन बनाकर उन्हें पछाड़ दिया हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में गिल सिर्फ 16 रन बना सके थे, लेकिन दूसरी पारी में 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर दो रन लेकर उन्होंने द्रविड़ का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वहीं भारत के लिए टेस्ट सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 टेस्ट में 732 रन बनाए थे। गिल के पास अब कोहली और गावस्कर दोनों के रिकॉर्ड तोड़ने का बेहतरीन मौका है।

किंग कोहली ने बतौर कप्तान 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच में 655 रन बनाए थे। वहीं साल 2017 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों में 610 रन बनाए थे।

बेन डकेट को आउट कर उग्र हुए सिराज, आईसीसी ने ठोका जुर्माना, एक डिमेरिट अंक भी जुड़ा

लॉर्ड्स(एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान बेन डकेट को आउट करने के बाद उग्र होने के लिए मैच फीस का 15त्न जुर्माना लगाया है। सिराज को जुर्माने के अलावा एक और डिमेरिट अंक भी दिया गया है।

यह घटना मैच के चौथे दिन हुई थी जब उन्होंने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज को आउट किया था। सिराज ने इंग्लिश बल्लेबाज को आउट करने के बाद आक्रामक अंदाज में विदाई दी जिसमें उनके चेहरे पर जोर से जश्न मनाना और आउट होने के बाद उनसे टकराना भी शामिल था।

सिराज को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, हरकतें या हाव-भाव का इस्तेमाल करने या बल्लेबाज को भड़काने से संबंधित है। सिराज को जुर्माने के अलावा एक और डिमेरिट अंक भी दिया गया है।

पिछले 24 महीनों में सिराज का यह दूसरा ऐसा अपराध था, जिसका मतलब है कि अब उनके रिकॉर्ड में 2 डिमेरिट अंक हैं। अगर 24 महीने की अवधि समाप्त होने से पहले उनके 4 डिमेरिट अंक हो जाते हैं तो उन पर स्वतः ही एक मैच का निलंबन लग जाएगा।

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन को बड़ी जिम्मेदारी, इस आईपीएल टीम ने बनाया कोच

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 2026 के आईपीएल सत्र के लिए सोमवार को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। आरोन न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स फ्रैंकलिन की जगह लेंगे। सनराइजर्स ने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'हमारे कोचिंग स्टाफ में एक शानदार इजाफा। वरुण आरोन का हमारे नए गेंदबाजी कोच के रूप में स्वागत है।'

आरोन ने 2011 और 2015 के बीच भारत के लिए नौ टेस्ट और उतने ही वनडे खेले थे। 35 साल के आरोन ने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच इसी साल पांच जनवरी को जयपुर में गोवा के खिलाफ झारखंड के लिए विजय हजारे ट्रॉफी का खेल था। झारखंड के इस 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने में विफल रहने पर उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने पिछले साल चेन्नई में एमआरएफ पेस फाउंडेशन में आस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैकग्राथ के साथ एक कोच के रूप में कुछ समय के लिए काम किया था।

आरोन करियर की शुरुआत में एक युवा तेज गेंदबाज के रूप में अपनी पहचान बनाई थी जो 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को पार करने में सक्षम था। भारतीय क्रिकेट के शीर्ष अधिकारियों ने उस समय आरोन और उभरते हुए एक अन्य तेज गेंदबाज उमेश यादव पर बहुत अधिक ध्यान दिया था। उमेश ने देश के लिए 50 से अधिक टेस्ट खेले तो वहीं लगातार चोटिल होने के कारण आरोन का करियर परवान नहीं चढ़ सका। आरोन ने संन्यास के बाद टेलीविजन पर क्रिकेट विशेषज्ञ के तौर पर काम करना शुरू किया है।

एमआई न्यूयॉर्क ने दूसरी बार जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

डलास (एजेंसी)। एमआई न्यूयॉर्क ने सोमवार को वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ फाइनल मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ एमआई ने दूसरी बार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का खिताब अपने नाम कर लिया।

एमआई न्यूयॉर्क ने साल 2023 में पहली बार एमएलसी की ट्रॉफी अपने नाम की थी, जिसके बाद अगले साल इस खिताब को वाशिंगटन फ्रीडम ने अपने नाम किया था। डलास में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी एमआई न्यूयॉर्क ने सात विकेट खोकर 180 रन बनाए। इस टीम को सलामी बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत दिलाई। मोनांक पटेल और क्विंटन डी कॉक ने 7.1 ओवरों में 72 रन जोड़े। मोनांक 22 गेंदों में 28 रन बनाकर पवेलियन लौटे। तजिंदर ढिल्लन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए, लेकिन 14 रन से ज्यादा नहीं बना सके।

यहां से क्विंटन डी कॉक ने कप्तान निकोलस पूरन के साथ तीसरे विकेट के लिए 56 रन जुटाए। पूरन ने 17 गेंदों में 21 रन की पारी खेली, जबकि क्विंटन डी कॉक ने 46 गेंदों में चार छक्कों और छह चौकों की मदद से 77 रन बनाए। विपक्षी टीम की ओर से लॉकी फर्ग्यूसन ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके। उनके अलावा इयान हॉलैंड, जैक एडवर्ड्स, ग्लेन मैक्सवेल और सौरभ नेत्रावलकर ने एक-एक शिकार किया।

इसके जवाब में वाशिंगटन फ्रीडम की टीम निर्धारित ओवरों में 175/5 के स्कोर से आगे नहीं बढ़ सकी। टीम शुरुआती पांच गेंदों में अपने दो बल्लेबाजों का विकेट गंवा चुकी थी। इस समय तक फ्रीडम का खाता तक नहीं खुला था। यहां से रचिन रविंद्र ने जैक एडवर्ड्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़े। एडवर्ड्स 22 गेंदों में 33 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इसके बाद रचिन रविंद्र ने ग्लेन फिलिप्स के साथ चौथे विकेट के लिए 46 रन जुटाए। रविंद्र 41 गेंदों में दो छक्कों और आठ चौकों की मदद से 70 रन बनाकर आउट हुए।

ग्लेन फिलिप्स ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की कोशिश जरूर की, लेकिन जीत नहीं दिला सके। फिलिप्स 34 गेंदों में 48 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी में पांच छक्के शामिल थे। एमआई न्यूयॉर्क की ओर से ट्रेंट बोल्ट और रुशिल उगरकर को दो-दो विकेट हाथ लगे, जबकि नोस्टुश केंजीगे ने एक शिकार किया।

कुदेरमेतोवा और मेर्टेंस महिला युगल चैंपियन

लंदन। वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिसे मेर्टेंस की जोड़ी ने महिला युगल के फाइनल में सु-वेई सीह और येलेना ओस्टापेंको को 3-6, 6-2, 6-4 से शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा कर लिया। कुदेरमेतोवा पहली बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनी हैं जबकि मेर्टेंस का यह पांचवां ग्रैंड स्लैम और दूसरा विम्बलडन युगल खिताब है। कुदेरमेतोवा और मेर्टेंस 2021 के फाइनल में एक-दूसरे के खिलाफ थीं, लेकिन इस साल विम्बलडन में पहली बार एक साथ खेल रही थीं। यह जोड़ी तीसरे सेट में 2-4 से पीछे थी लेकिन शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार गेम को भुना कर खिताब जीतने में सफल रही। सु-वेई ने तीन अलग-अलग जोड़ीदारों के साथ चार बार विम्बलडन युगल खिताब जीता है। कुदेरमेतोवा ने कहा, मैं वह (2021) फाइनल हार गई थी और वह बहुत निराशाजनक था। आज मैंने खुद से कहा था कि मुझे यह खिताब चाहिए, और अब यह मेरा है।

डब्यूपीएल से महिला क्रिकेट को मिली कई प्रतिभाएं : कोच मजूमदार

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्यूपीएल) के अनुभवों के कारण ही इस बार भारतीय टीम इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने में सफल रही है। उन्होंने कहा, 'डब्यूपीएल से टीम को कई प्रतिभाएं मिली हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है पर भारत में और भी टूर्नामेंट हैं जिन पर हमारी नजरें है। बहुत सारे घरेलू खिलाड़ी भी इनमें खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'डब्ल्यूपीएल बीसीसीआई की पहल का एक हिस्सा मात्र है। इसलिए मुझे लगता है कि डब्ल्यूपीएल हमारे लिए एक सुखद अनुभव रहा है। लेकिन साथ ही ऐसे अन्य टूर्नामेंट भी हैं जो महत्वपूर्ण हैं। भारत की पदार्पण करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 10 विकेट लेकर श्रृंखला जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वह भी डब्ल्यूपीएल से ही निकलकर भारतीय टीम में पहुंची हैं। अमोल ने कहा, 'मुझे लगता है, आप जानते हैं, डब्ल्यूपीएल से हमने उन्हें पहचाना और फिर मुझे लगता है कि उनकी प्रगति शानदार रही है। हम एक बाएं हाथ की स्पिनर की तलाश में थे और वह इस काम के लिए बिल्कुल सही रही हैं। मजूमदार ने कहा कि इस सीरीज में सबसे विशेष बात भारत की सटीक गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण रहा जिसने पहले से ही मजबूत बल्लेबाजी क्रम का अच्छा साथ निभाया।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे अहम बात हमारी गेंदबाजी थी। इसमें कोई संदे नहीं है। भारत से रवाना होने से पहले हमारे पास एक रणनीति थी। हमारा शिविर अच्छा था और हमने अपनी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर काफी ध्यान दिया जिसका प्रभाव इस सीरीज में दिखा। मुझे लगता है कि सबसे बड़ी उपलब्धि हमारी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण रहे। राधा यादव की गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण ने भी श्रृंखला के दौरान ध्यान आकर्षित किया और मजूमदार ने कहा कि यह सुधार इस बाएं हाथ की स्पिनर द्वारा घरेलू स्तर पर किए गए प्रयासों का परिणाम है।

श्री चरणी टी20 ने की राधा के रिकार्ड की बराबरी

एजबेस्टन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती हुई स्पिनर श्री चरणी ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। श्री चरणी ने इसी सीरीज में अपने टी20 करियर की शुरुआत करते हुए सीरीज के पांच मैचों में 14.8 की औसत के साथ 10 विकेट लिए हैं। इसी के साथ श्री चरणी टी20 सीरीज में सबसे अधिक विकेट लेने वाली भारतीय महिला खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले पायदान पर पहुंच गई हैं। श्री चरणी के अलावा राधा यादव के नाम भी एक ही टी20 सीरीज में 10 विकेट लेने का रिकार्ड है। राधा ने साल 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ ये उपलब्धि हासिल की थी। इस सूची में श्री चरणी और राधा यादव के बाद दीप्ति शर्मा है। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ इसी सीरीज में 9 विकेट लिए हैं। श्री चरणी ने इससे पहले एकदिवसीय प्राच्रूप में के पांच मैचों में छह विकेट लिए हैं। श्री चरणी ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 12 रन देकर चार विकेट और अगले तीन मैचों में दो-दो शिकार किए। हालांकि, अंतिम मैच में उन्हें कोई विकेट हाथ नहीं मिला। इस सीरीज को टीम इंडिया ने 3-2 से जीता ओर इस दौरान पूरी सीरीज में भारतीय खिलाड़ी छायी रही। अंतिम मैच में भ मेजबान टीम को अंतिम गेंद पर ही जीत मिली।

पीएसजी को हराकर चेल्सी ने जीता फीफा क्लब विश्वकप का खिताब

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन यानी पीएसजी के फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीतने का सपना टूट गया है। इस सीजन पीएसजी ने सभी चार ट्रॉफी अपने नाम की थी लेकिन यहां चेल्सी भारी पड़ गई। मेटलाइफ स्टेडियम पर खेले गए खिताबी मुकाबले में चेल्सी ने पीएसजी को 3-0 से हराया। चेल्सी की यह दूसरी क्लब विश्व कप ट्रॉफी है। इससे पहले टीम ने 2021 में भी खिताब अपने नाम किया था। इस बार यह टूर्नामेंट अलग फॉर्मेट में आयोजित किया गया था। इसमें 32 टीमों ने हिस्सा लिया और इसकी शुरुआत 14 जून को हुई थी। 2023 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में पिछले साल तक 8 टीमें ही हिस्सा लेती हैं।

कोल पाल्मर जीत के हीरो रहे

चेल्सी के लिए कोल पाल्मर ने दो गोल किए। 22वें मिनट में पाल्मर ने पहला गोल दागा। इसके 8 मिनट बाद उन्होंने टीम की तरफ से दूसरा गोल कर दिया। 30वें मिनट तक चेल्सी की बढ़त 2-0 की हो गई थी। पहले हाफ के अंत में चेल्सी ने तीसरा गोल भी कर दिया। जोआओ पेड्रो के गोल की मदद से चेल्सी की जीत पहले हाफ में ही पक्की हो गई थी। पीएसजी की टीम पूरे मुकाबले में कोई भी गोल नहीं कर पाई।

डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रॉफी दी

पीएसजी का इस सीजन शानदार प्रदर्शन रहा। क्लब ने फ्रेंच लीग, फ्रेंच कप और फ्रेंच सुपर कप की ट्रॉफी जीती थी। फिर इतिहास में पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब भी जीता। लेकिन सीजन की 5वीं ट्रॉफी जीतने का सपना चेल्सी ने तोड़ दिया। चेल्सी हालिया प्रीमियर लीग में चौथे स्थान पर रही थी। यह मुकाबला 81,118 दर्शकों की मौजूदगी में खेला गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे। ट्रंप ने पोडियम पर जाकर विजेता टीम को ट्रॉफी दी।

चेल्सी के युवा खिलाड़ी कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल दिया है। यह अवॉर्डटूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी को दिया जाता है। इस टूर्नामेंट में पाल्मर ने तीन गोल करने के साथ ही दो असिस्ट भी किए। चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज को गोल्डन ग्लव पुरस्कार मिला और 20 वर्षीय पीएसजी फॉरवर्ड डेसिरे डूए को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी चुना गया।

साइना नेहवाल अपने पति कश्यप परुपल्ली से होंगी अलग, सोशल मीडिया पर शेयर की भावुक पोस्ट

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन आइकन साइना नेहवाल ने पति और साथी शटलर कश्यप परुपल्ली से अलग होने की घोषणा की है। यह जोड़ा, जो एक दशक से अधिक समय से साथ है और 2018 में शादी के बंधन में बंधा था। साइना ने रविवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक भावुक बयान के माध्यम से अलग होने के अपने फैसले की पुष्टि की। साइना ने कहा, 'जीवन हमें कभी-कभी अलग दिशाओं में ले जाता है। बहुत सोचने और विचार करने के बाद कश्यप परुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास और उपचार का चयन कर रहे हैं। मैं यादों के लिए आभारी हूं और आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं देती हूं।' साइना और कश्यप भारत की सबसे प्रमुख बैडमिंटन हस्तियों में से हैं जिन्हें अक्सर टूर्नामेंटों में एक-दूसरे का समर्थन करते और पेशेवर उपलब्धियों का जश्न साथ मिलकर मनाते देखा गया है। अलगाव का कारण निजी है, साइना के संदेश में आपसी सम्मान और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने के साझा इरादे पर जोर दिया गया है। इस पोस्ट को प्रशंसकों, साथी एथलीटों और शुभचिंतकों का भरपूर समर्थन मिला, जिनमें से कई ने स्थिति को संभालने में दोनों की शालीनता और परिपक्वता की प्रशंसा की। पूर्व विश्व नंबर एक और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए एक पथप्रदर्शक रही हैं। कश्यप पारुपल्ली का भी एक विशिष्ट करियर रहा है उन्होंने ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। अलग-अलग निजी यात्राओं पर निकल पड़े साइना और कश्यप दोनों ही बैडमिंटन समुदाय और उसके बाहर अपार सम्मान अर्जित करते हैं।

नीरज सहित कई एथलीट विश्व चैंपियनशिप से पहले यूरोप और अमेरिका में अभ्यास करेंगे

नई दिल्ली । विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए विदेश में प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इसका खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा। इसी के तहत ही भारतीय खिलाड़ी सितंबर में होने वाले विश्व चैंपियनशिप से पहले यूरोप और अमेरिका में अभ्यास करेंगे। एथलेटिक्स के सबसे अधिक खिलाड़ियों को विदेश में प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। एक बैठक में एथलेटिक्स के लिए 86 लाख रुपये के प्रशिक्षण और प्रतियोगिता प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी है। इस राशि का एक बड़ा हिस्सा उन खिलाड़ियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के नाम विश्व चैंपियनशिप के दो पदक है और 27 साल का यह खिलाड़ी एक बार फिर से भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी उम्मीद होगा। वह 57 दिनों के लिए प्राग और चेक गणराज्य के निम्बार्क में प्रशिक्षण लेंगे। चोपड़ा ने 2022 में रजत और 2023 में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले, पारुल चौधरी और लंबी दूरी के धावक गुलबीर सिंह 15 जुलाई से तीन सितंबर तक कोलोराडो स्प्रिंग्स, लॉस एंजिल्स में प्रशिक्षण लेंगे। सरकार ने तीनों के प्रशिक्षण खर्च के लिए 41.29 लाख रुपये मंजूर किए हैं।

लिवरपूल ने प्री-सीजन की शुरुआत प्रेस्टन पर 3-1 की जीत के साथ की, जोटा-सिल्वा को दी गई श्रद्धांजलि

लिवरपूल, 14 जुलाई (वेब वार्ता)। लिवरपूल ने अपने 2025-26 प्री-सीजन की शुरुआत डीपडेल में प्रेस्टन नॉर्थ एंड पर 3-1 से जीत के साथ की। यह जीत लिवरपूल के लिए बेहद भावनात्मक थी। लिवरपूल के खिलाड़ी डिओगो जोटा की पिछले सप्ताह स्पेन में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। हादसे में जोटा के भाई आंद्रे सिल्वा की भी मौत हो गई थी। मैच शुरू होने से पहले, स्टेडियम का माहौल बेहद भावुक था। प्रेस्टन और लिवरपूल के खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के सामने एक मिनट का मौन रखा और जोटा के लिए पुष्पांजलि अर्पित की। मैच से पहले 'यू विल नेवर वॉक अलोन' का भावपूर्ण लाइव प्रदर्शन हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। 20वें मिनट में, जब दोनों भाइयों की तस्वीर दिखाई गई, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से भर गया। जोटा के लिए भावुक गीत भी गाया गया। डिओगो और आंद्रे को दी जाने वाली श्रद्धांजलि यहीं नहीं रुकी। लिवरपूल के डार्विन नुनेज ने दूसरे हाफ में जोटा के प्रतिष्ठित गोल सेलिब्रेशन की नकल करके अपने गोल का जश्न मनाया, जबकि कोडी गाकपो ने बाद में जोटा की शर्ट नंबर - 20 का इशारा करते हुए अपने गोल का जश्न मनाया, जिससे प्रशंसक खुशी से झूम उठे। मैदान पर, रेड्स ने शानदार प्रदर्शन किया। कॉनर ब्रैडली ने पहले हाफ के आखिर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसमें किशोर रियो न्गुमोहा और फेडेरिको चिएसा ने भी मदद की। ब्रेक के बाद नुनेज ने रक्षात्मक गलती का फायदा उठाकर बढ़त दोगुनी कर दी और गैकपो ने अंतिम मिनटों में प्रेस्टन के लियाम लिंडसे द्वारा एक शक्तिशाली हेडर से गोल करने के बाद तीसरा गोल दागा।

यानिक सिनर ने पहला विम्बलडन खिताब जीता, दो बार के गत चैंपियन अल्काराज को हराया

लंदन (एजेंसी)। शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर ने रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में दो बार के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर पहला विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैल खिताब जीता। इस तरह इटली के खिलाड़ी सिनर ने पांच हफ्ते पहले हुए फ्रेंच ओपन के ऐतिहासिक फाइनल के नतीजे को भी बदल दिया। अब सिनर दूसरी रैंकिंग पर काबिज स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज से कुल ग्रैंडस्लैम खिताब से एक कदम दूर हैं।

इस जीत से सिनर ने 22 वर्षीय अल्काराज के लगातार खिताब जीतने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांच मुकाबले जीते थे जिसमें हालिया जीत आठ जून को रोलां गैरां में लगभग साढ़े पांच घंटे तक चली पांच सेटों की भिड़ंत में आई थी। सिनर ने उस मैच में दो सेट की बढ़त बना ली थी लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। इससे अल्काराज का मेजर फाइनल में स्कोर 5-0 हो गया था।

सिनर ने ऑल इंग्लैंड क्लब में ऐसे मैच में अपनी छाप छोड़ी जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। हालांकि बीच-बीच में चूक भी हुई। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24 मैच की जीत के साथ उतरे थे। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार 20 मैच जीते थे जिसमें 2023 और 2024 के फाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ जीत भी शामिल है।

विंबलडन में पिछली बार अल्काराज को हराने वाले खिलाड़ी सिनर हैं जिन्होंने 2022 में चौथे दौर में उन्हें शिकस्त दी थी। यह सिनर के लिए एक यादगार जीत साबित हुई जिसने उनकी उस बात को साबित कर दिया कि पेरिस में हारने का कोई असर नहीं होगा। हालांकि यह कल्पना करना मुश्किल है कि रविवार को उस हार का जरा भी ख्याल उनके दिमाग में नहीं था, विशेषकर जब तब चौथे सेट में 4-3, 15-40 के स्कोर पर सर्विस करते हुए उन्हें दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। लेकिन सिनर ने शांति से अगले चार प्वाइंट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली।

जब सेट खत्म हुआ तो सिनर ने दोनों हाथ अपनी सफेद टोपी पर रख लिए। नेट पर अल्काराज को गले लगाने के बाद सिनर सिर झुकाकर कोर्ट पर झुक गए और फिर अपनी दाहिनी हथेली घास पर रख दी। सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार को सच में पीछे छोड़ दिया और दिखा दिया कि अल्काराज के साथ उनका मुकाबला आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रशंसकों को खुश कर सकता है।

दिलचस्प बात है कि पिछली सात ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को दोनों ने आपस में बांटा है जिसमें पिछली 12 में से नौ ट्रॉफियां शामिल हैं। संयोग से यह पहली बार है जब दो पुरुष खिलाड़ियों ने एक ही वर्ष में रोलां गैरां के क्ले कोर्ट और ऑल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर खिताबी मुकाबले खेले। इससे पहले रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने 2006, 2007 और 2008 में ऐसा किया था। सिनर ने पिछले चार मेजर फाइनल में से प्रत्येक में भाग लिया है और यह सिलसिला पिछले सितंबर में अमेरिकी ओपन में जीत के साथ शुरू हुआ और उसके बाद उन्होंने इस जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक और जीत हासिल की। अपनी दाहिनी कोहनी की सुरक्षा के लिए सफेद टेप और सफेद बांह की आस्तीन पहने हुए सिनर को कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने सेमीफाइनल में 24 बार के मेजर चैंपियन नोवाक जोकोविच को बाहर करते समय भी कोई भी परेशानी महसूस नहीं की थी।

तन्वी द ग्रेट देखकर इमोशनल हुए अक्षय कुमार

एक्टर-डायरेक्टर अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' थिएटर में रिलीज को तैयार है। अक्षय कुमार ने बुधवार को फिल्म देखी और अपने अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। फिल्म देखने के बाद इमोशनल हुए एक्टर ने कहा कि कहानी शानदार है और इसने रुलाकर रख दिया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर लिखा कि यह फिल्म उनके दिल को छू गई। उन्होंने फिल्म को भावनात्मक और प्रेरणादायक बताया।

फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए अक्षय ने अनुपम और उनकी टीम की तारीफ की। एक्टर ने कैप्शन में लिखा, तन्वी देखने में थोड़ी देर हुई, लेकिन खुशी है कि मैंने यह फिल्म देखी। तन्वी द ग्रेट एक ऐसी कहानी है, जिसने मुझे भावुक कर दिया और मैं तन्वी के लिए दिल से प्रार्थना करता हूं। मेरे दोस्त अनुपम खेर और पूरी टीम को ढेर सारी शुभकामनाएं। बड़े पर्दे पर इसे देखने का इंतजार है। इससे पहले अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, कंगना रनौत और अनिल कपूर जैसे सितारों ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फिल्म की प्रशंसा की थी।

शाहरुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर लिखा, मेरे दोस्त अनुपम खेर, रिस्क लेने से पीछे नहीं हटते। तन्वी द ग्रेट का ट्रेलर शानदार है। इस सफर के लिए शुभकामनाएं। 'तन्वी द ग्रेट' अनुपम खेर के निर्देशन में बनी फिल्म है, जो 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म के साथ लीड एक्ट्रेस शुभांगी एक्टिंग में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में एक्टर जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, करण टैकर और नासिर जैसे एक्टर्स महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। अनुपम खेर भी फिल्म में स्पेशल रोल में हैं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट बैनर तले बनी यह फिल्म एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो ऑटिज्म से जूझते हुए भारतीय सेना में शामिल होने का सपना देखती है।

लगातार तीन फ्लॉप, अब 'मालिक' से हैं उम्मीदें;

क्या बच पाएगा मानुषी का करियर

राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर माहौल तो काफी बना था, लेकिन पहले दिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वैसा कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। क्रिटिक्स ने भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया ही दी। फिल्म में पहली बार राजकुमार राव एक अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। वो फिल्म में एक गैंगस्टर का रोल निभा रहे हैं। ये फिल्म राजकुमार राव के लिए तो अहम है ही, लेकिन उनसे भी ज्यादा इस फिल्म की सफलता अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के लिए जरूरी है। क्योंकि ये मानुषी छिल्लर की चौथी फिल्म है और अभिनेत्री को अभी भी अपने करियर की पहली हिट फिल्म की जरूरत है।

साल 2022 में मानुषी छिल्लर ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया। मानुषी ने अपने डेब्यू के लिए एक दम परफेक्ट फिल्म और बैनर चुना था। उनकी पहली फिल्म अक्षय कुमार के साथ 'सम्राट पृथ्वीराज' थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी और मानुषी का एक सफल डेब्यू का सपना अधूरा रह गया। इसके बाद मानुषी छिल्लर विक्की कौशल के साथ फिल्म 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' में नजर आईं। यह फिल्म भी यशराज के बैनर तले ही बनी थी। यह फिल्म कब आई और कब चली गई किसी को पता भी नहीं चला। दो बैक टू बैक फ्लॉप के बाद मानुषी के हाथ एक बार फिर से बड़े बजट की फिल्म लगी। इस बार फिर उनके साथ फिल्म में अक्षय कुमार थे। इस बार साथ में एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ भी थे और एक बड़ी स्टारकास्ट थी। इस फिल्म को लेकर काफी बज क्रिएट किया गया था। लेकिन जब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर आई तो धड़ाम हो गई। इस तरह से मानुषी छिल्लर के खाते में लगातार तीसरी बड़ी फ्लॉप आई।

'मालिक' बचा पाएगी मानुषी का डूबता करियर?

लगातार तीन बड़े बजट और प्रोडक्शन हाउस की फिल्में, जिनमें स्टार्स भी बड़े-बड़े थे। वो मिलने के बाद भी मानुषी छिल्लर को एक हिट अभी तक नहीं मिली है। यही कारण है कि डेब्यू को तीन साल हो गए हैं और मानुषी की सिर्फ तीन ही फिल्में आई हैं। तीनों ही बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई हैं। ऐसे में अब मानुषी के करियर के लिए राजकुमार राव की 'मालिक' का चलना बहुत जरूरी है। हालांकि, मालिक में मानुषी का किरदार छोटा है और स्क्रीन स्पेस भी इसी वजह से कम है। लेकिन वो कहते हैं न कि डूबते को एक तिनके का सहारा होता है। ऐसे में मानुषी के लिए मालिक का सफल होना ही जरूरी है, भले ही उसमें रोल उनका कितना भी हो। हालांकि, पहले दिन की कमाई को देखते हुए 'मालिक' के भी बड़ी हिट बनने की उम्मीद कम ही है।

नए अंदाज में रिलीज होगी बाहुबली, एसएस राजामौली ने की घोषणा

साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बाहुबली द बिगनिंग को आज 10 साल पूरे हो गए हैं। प्रभास स्टारर इस फिल्म को 10 जुलाई 2015 को रिलीज किया गया था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड शानदार कमाई की थी और सबसे सक्सेसफुल फिल्मों में अपना नाम दर्ज कराया। आज जब फिल्म को 10 साल पूरे हो गए हैं तो मेकर्स ने ऑडियंस को एक और तोहफा देने का ऐलान कर दिया है। दरअसल बाहुबली फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से इस बात का ऐलान किया गया है कि बाहुबली के पहले और दूसरे पार्ट को एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बाहुबली मूवी ने लिखा है- 10 साल पहले, एक सवाल ने पूरे देश को एकजुट कर दिया था...अब वही सवाल और उसका जवाब लौट रहे हैं — एक भव्य महाकाव्य में साथ-साथ। बाहुबली द एपिक पूरी दुनिया में 31 अक्टूबर 2025 को रिलीज हो रही है। बाहुबली - द एपिक' दरअसल पहली और दूसरी फिल्म को मिलाकर दिखाए जाने वाला एक वर्जन होगा। इस फिल्म के जरिए मेकर्स एक बार फिर बाहुबली की यादों को पर्दे पर ताजा करना चाहते हैं।

फिल्म के डायरेक्टर एस एस राजामौली ने इस मौके पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने लिखा, बाहुबली... कई यात्राओं की शुरुआत, अनगिनत यादें और अंतहीन प्रेरणा। 10 साल पूरे हो चुके हैं और इसे यादगार बनाने के लिए आ रही है बाहुबली द एपिक!

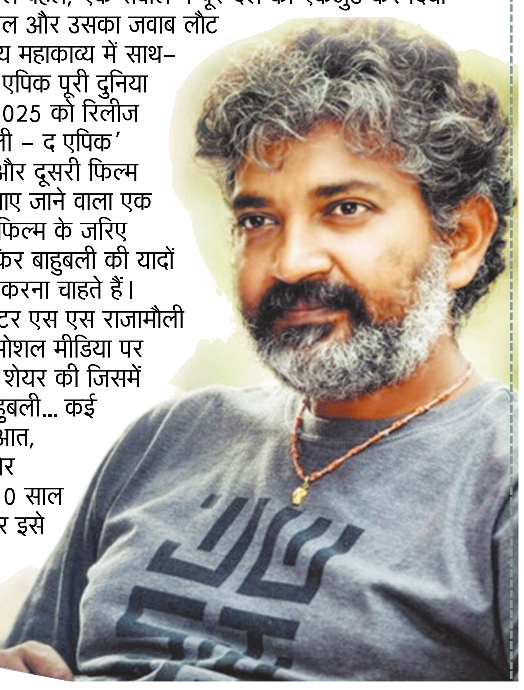

बैटल ऑफ गलवां में चित्रांगदा की एंट्री

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। अब फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है। फिल्म में अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह की एंट्री हो गई है। चित्रांगदा फिल्म में लीड एक्ट्रेस की भूमिका निभाएंगी। वहीं सलमान इस फिल्म के लिए खूब मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान सोल्जर का किरदार निभाने के लिए अपने ऊपर काफी मेहनत कर रहे हैं। इंडिया टुडे के मुताबिक सलमान खान ने एक सोल्जर के किरदार में ढलने के लिए एक निजी ट्रेनर रखा है।

सलमान के विपरीत होंगी चित्रांगदा सिंह

हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने एलान किया कि फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह होंगी। फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया ने जानकारी दी हम बैटल ऑफ गलवां की कास्ट में चित्रांगदा सिंह का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। उनका स्त्री रूप सलमान सर के गंभीर लेकिन शांत व्यक्तित्व से पूरी तरह मेल खाता है।

जंक फूड और ड्रिंक्स छोड़ी

सलमान खान के वर्कआउट में वेट ट्रेनिंग और दौड़ना शामिल है। वह अपने जिम में एक उच्च दबाव वाले कक्ष में भी ट्रेनिंग लेते हैं। इस कक्ष को लेह की ऊंचाई के हिसाब से बनाया गया है ताकि उनका शरीर वहां के दबाव को सहन करने के काबिल हो जाए। इसके साथ ही सलमान खान ने जंक फूड और गैस वाले ड्रिंक को भी छोड़ दिया है।

श्री श्री रविशंकर की बायोपिक के लिए खास तैयारी कर रहे विक्रांत

अभिनेता विक्रांत मैसी जल्द ही आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की जिंदगी पर आधारित फिल्म 'व्हाइट' में नजर आने वाले हैं। इसी बीच इस फिल्म से जुड़ी कुछ अहम जानकारियां अमर उजाला के हाथ लगी हैं। जानते हैं क्या हैं वो नई जानकारियां।

कोलंबिया में होगी अधिकांश शूटिंग

आज ही रिलीज हुई अपनी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के बाद अब विक्रांत मैसी अपनी अगली फिल्म 'व्हाइट' की शूटिंग में व्यस्त हो गए हैं। ये फिल्म आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म की लगभग 90 प्रतिशत शूटिंग दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में की जाएगी।

कोलंबिया पर ही आधारित होगी कहानी

फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, 'यह फिल्म सिर्फ एक बायोपिक नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक घटना पर आधारित है जब श्री श्री रविशंकर ने कोलंबिया में चल रहे 52 साल पुराने संघर्ष को शांति से खत्म करने में मदद की थी। चूंकि ये सभी घटनाएं कोलंबिया की धरती पर घटी थीं, इसलिए उनकी सच्चाई को बनाए रखने के लिए ज्यादातर शूटिंग वहीं होगी।'

किरदार में ढलने के लिए विक्रांत ने कैसे की तैयारी

विक्रांत ने इस किरदार की तैयारी के लिए हाल ही में बेंगलुरु स्थित 'आर्ट ऑफ लिविंग' आश्रम का दौरा किया था। यहां उन्होंने श्री श्री रविशंकर द्वारा शुरू किया गया 'हैप्पीनेस प्रोग्राम' भी अटैंड किया। विक्रांत ने वहां ध्यान, प्राणायाम और साधना के जरिए श्री श्री रविशंकर की एनर्जी और विचारधारा को महसूस करने की कोशिश की, ताकि फिल्म में उनकी मौजूदगी सिर्फ दिखावटी न लगे।

कुछ यूं किरदार की तैयारी कर रहे विक्रांत

फिल्म में श्री श्री की भूमिका निभाने के लिए विक्रांत ने अपने बाल और दाढ़ी बढ़ाई है। इसके साथ ही विक्रांत, श्री श्री रविशंकर के बोलने के ढंग, मुस्कान, चलने और बैठने के तरीके को भी बारीकी से आत्मसात कर रहे हैं। एक्टर लगातार श्री श्री रविशंकर के वीडियो, भाषण और इंटरव्यू देख रहे हैं। इसके जरिए वे श्री श्री के व्यवहार और शारीरिक भाषा को भी बारीकी से समझने की कोशिश कर रहे हैं।

अगस्त में कोलंबिया रवाना होंगे विक्रांत

विक्रांत पिछले कुछ दिनों से अपनी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के प्रमोशन में जुटे हुए थे। अब वे कुछ समय अपने परिवार (पत्नी शीतल और बेटे वर्दान) के साथ बिताएंगे। इसके बाद अगस्त 2025 में वे इस फिल्म की शूटिंग के लिए कोलंबिया रवाना होंगे।

पर्दे पर संजीदा वकील शाहिद आजमी से लेकर होनहार श्रीकांत और स्त्री के मसखरे विकी, हर किरदार में पानी की तरह ढल जाने वाले एक्टर राजकुमार राव अपने नाम की तरह अदाकारी के भी राजकुमार हैं। अब अपनी नई फिल्म मालिक में भी वह गैंगस्टर के बिल्कुल नए अंदाज के लिए चर्चा में हैं। ऐसे में, हमने उनकी एक्टिंग, सिनेमा और व्यक्तित्व को लेकर की खास बातचीत -

पत्रलेखा ने मुझे एक बेहतर इंसान बनाया है, उन्हें हमेशा खुद से आगे रखता हूं

आज आप उस मुकाम पर हैं कि आपकी फिल्म 800 करोड़ कमा रही है। इस सफलता के बाद क्या चुनौती रहती है?

हमेशा कुछ नया खोजना, वो हमेशा का संघर्ष है। पहली फिल्म से मेरी कोशिश रही है कि मैं नया कुछ करता रहूं। खुद को बतौर एक्टर थोड़ा और आगे धकेलता रहूं। कभी भी एक तरह का फिल्में ना करूं, क्योंकि फिर एक कंफर्ट आ जाता है। मेरा चैलेंज यही रहा है कि कैसे मैं अच्छी कहानियां ढूंढूं। फिर, हर किरदार एक चैलेंज है। मैं कोशिश करता हूं कि उस किरदार को सबसे बेहतर बना पाऊं कि वह इससे बेहतर नहीं हो सकता था। आप किसी रोल को हल्के में नहीं ले सकते कि यह तो मैं कर दूंगा।

आपकी फिल्म में डायलॉग है कि मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या हुआ, बन तो सकते हैं। यह बात आपकी जिंदगी पर भी लागू होती है। आपको कब लगा कि स्टार परिवार में पैदा नहीं हुए तो क्या, स्टार बन तो सकते हैं?

ये काफी पहले से है। मैं गुरुग्राम में एक ज्वाइंट फैमिली में पला-बढ़ा हूं और हम फिल्में बहुत देखते थे। हमने वीसीआर पर बहुत फिल्में देखी हैं, तो मुझे बचपन से ही फिल्मों के प्रति बहुत आकर्षण था। मैं नवीं-दसवीं में था, जब तय कर लिया था कि एक दिन फिल्म एक्टर बनना है। फिर, मैंने वहीं थिएटर करना शुरू कर दिया। फिर, एफटीआईआई में ऐक्टिंग कोर्स ज्वाइन कर लिया। किस्मत से मेरे पैरंट्स, खासकर मेरी मां बहुत सपोर्टिव थीं कि जिंदगी में जो भी करना है वो करो, बस ईमानदारी और मेहनत से करो। सच कहूं तो इस लाइन कि पैदा नहीं हुए तो क्या हुआ, बन तो सकते हैं, मैं इससे बहुत रिलेट कर पाता हूं। मेरा मानना है कि यह बात हर किसी पर लागू होती है कि आप अपनी जिंदगी के मालिक खुद बन सकते हैं।

इधर, आप लगातार कॉमेडी करते हुए दिख रहे थे, ऐसे में मालिक जैसा एक्शन वाला किरदार सही ब्रेक मानते हैं?

इसकी टाइमिंग अच्छी हो गई है। मैं भी ऐसा बहुत सुन रहा हूं, पढ़ रहा हूं कि बहुत स्मॉल टाउन कॉमेडी कर रहा हूं, जो कि सही भी है। पिछले एक साल में 3 कॉमेडी फिल्में आ गईं, स्त्री 2, विकी विद्या का वो वाला विडियो और भूल चूक माफ, पर उसके साथ श्रीकांत भी आई, जो एक बायोपिक थी। मैं और मिसेज माही भी आई, जो ड्रामा थी, पर कॉमेडी शायद लोगों को ज्यादा याद रहती है, तो मालिक की टाइमिंग सही हो गई है। हालांकि, मैंने ये सोचकर फिल्म नहीं की थी कि मुझे ब्रेक चाहिए। मैं हमेशा ही चैलेंजिंग काम ढूंढता रहता हूं। कुछ ऐसा जो मैंने पहले नहीं किया है। मालिक की कहानी बहुत पॉवरफुल है, इसलिए मैंने की।

आपकी अगली फिल्म टोस्टर की निर्माता आपकी पत्नी पत्रलेखा हैं, वहां आप स्टार वाले नखरे दिखा पाए या बीवी होने के नाते वह कमान कसकर रखती थीं। आजकल एक्टर्स की लंबी-चौड़ी टीम पर लेकर भी बड़े सवाल उठ रहे हैं?

पत्रलेखा बहुत अच्छी प्रोड्यूसर हैं। चूंकि, हम दोनों एक्टर हैं तो हमने सोचा कि इतने सालों में जो सीखा है, देखा है, उसे बेहतर ढंग से अपने सेट पर लागू करें और हम दोनों ने अपनी मांओं के नाम को मिलाकर अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है। बाकी, नखरे तो मैं कहीं भी नहीं करता हूं। मैं जहां पर काम करता हूं, सबको साथ लेकर चलता हूं। सबके साथ बैठकर खाना खाता हूं, हंसता-बोलता हूं। मेरा मानना है कि बतौर प्रोड्यूसर अगर आपको किसी की मांग वाजिब नहीं लगती तो आप मत दीजिए। आपको बतौर प्रोड्यूसर बहुत सख्त होना चाहिए कि ये नहीं देना है। मेरी तो चार लोगों की टीम है जो पिछले 10 साल से मेरे साथ हैं। आज भी वही हैं, क्योंकि मुझे लगता नहीं कि और किसी की जरूरत है। सब अच्छे से हो रहा है, सब चल रहा है। अगर आपको बतौर प्रोड्यूसर दिक्कत लगती है कि कोई 15-20 लोगों की टीम मांगता है तो मत दीजिए आप।

पत्नी पत्रलेखा को आप हमेशा खुद से आगे रखते हैं। यह खूबी कम पतियों में मिलती है। ये गुर कहां से सीखा?

यह मेरी परवरिश रही है। जो वैल्यूज मुझे मिले मेरी फैमिली से, मेरी मां से। मैंने अपनी मां को जिंदगी में बहुत स्ट्रगल करते हुए देखा है तो दूसरे जेंडर के लिए मेरे मन में बहुत ज्यादा सम्मान है। मैं बिल्कुल भी नहीं चाहता कि जो चीजें मेरी मां ने झेली हैं, वो मेरी वजह से किसी को झेलनी पड़े। इसलिए, मैं एक्स्ट्रा आगे जाकर कोशिश करता हूं कि गलती से भी मेरे से ऐसा ना हो। फिर, पत्रलेखा तो मेरी पत्नी हैं तो और ज्यादा जरूरी है कि उनको कभी जिंदगी में ऐसा ना लगे, तो यह नैचरली मेरे डीएनए में ही है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।